संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 72 रविवार 12 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

पुडुचेरी में भी एचएम पीवी की दस्तक

5 वर्षीय बच्ची मिली संक्रमित

नई दिल्ली,11 जनवरी 2025 (ए)। पुडुचेरी में एचएमपीवी ने दस्तक दे दी है। 5 साल की बच्ची संक्रमित पाई गई है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। 5 वर्षीय बच्ची को बुखार के लक्षणों के साथ जिपमेर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिपमेर अस्पताल प्रशासन ने बताया, संदेह के आधार पर डॉक्टरों ने बच्ची का एचएमपीवी परीक्षण किया और बच्ची के एचएमपीवी से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक बच्ची स्वस्थ है।

बारामूला में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,11 जनवरी 2025 (ए)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षा बलों ने शनिवार को तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। सुरक्षाबलों ने उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए।यह गिरफ्तारी आतंकवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है, जिसमें सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने का प्रयास किया है।

कोहरे की वजह से 8 वाहन आपस में टकराए

भदोही,11 जनवरी 2025 (ए)।उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में कोहरे के कारण शनिवार को नेशनल हाईवे-19 पर एक बड़ा हादसा हुआ है। हादसे में 8 वाहन आपस में टकरा गए और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसा काफी गंभीर था, लेकिन, राहत की बात यह रही कि सभी वाहन चालक बाल-बाल बच गए।

नार्को टेरर के पूरे ईकोसिस्टम को करेंगे ध्वस्त

» गृह मंत्री शाह का एलान; 8,600 करोड़ के मादक पदार्थ किए जाएंगे नष्ट

नई दिल्ली,11 जनवरी 2025 (ए)। नशामुक्त भारत के संकल्प को फिर दोहराते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने दो टूक कहा कि नार्को टेरर के पूरे ईकोसिस्टम को ध्वस्त करने के लिए हम संकल्पबद्ध हैं। मादक पदार्थों की जब्ती में मिली सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमने जांच-पड़ताल में भी कई बदलाव करते हुए न सिर्फ ड्रग्स, बल्कि इसके साथ जुड़े आतंकवाद के तंत्र को भी उजागर किया है।

डार्क वेब और ड्रोन की चुनौती से निपटना होगा

जम्मू-कश्मीर, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश की स्थानीय पुलिस व केंद्रीय एजेंसियों ने नार्को टेरर के कई मामलों का राजफाश किया है। उन्होंने कहा कि इन सफलताओं से संतुष्ट होने के स्थान पर हमें और अधिक गति व उत्साह से काम करना होगा। इसके साथ ही शाह ने डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी, ऑनलाइन मार्केट प्लेस और ड्रोन के उपयोग को चुनौती बताते हुए इनके अंकुश पर जोर दिया।

ड्रग नष्टीकरण पखवाड़े का किया शुभारंभ

शाह शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ड्रग नष्टीकरण पखवाड़े का शुभारंभ, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के भोपाल जोनल यूनिट के नए कार्यालय परिसर का उद्घाटन और मानस-2 हेल्पलाइन के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विस्तार की शुरुआत भी की।

कहा- नशामुक्त भारत बहुत जरूरी

गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में देशभर के पुलिस बलों और एनसीबी को 16,914 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स जब्त करने में सफलता मिली है, जो आजादी के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 में एक पूर्ण विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नशामुक्त भारत की सिद्धि बहुत जरूरी है।

एक लाख किलो मादक पदार्थ नष्ट

मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में केंद्र सरकार और राज्य सरकार को एक साथ एक मंच पर आना होगा। शाह ने कहा कि आज हमने जब्त मादक पदार्थों के नष्टीकरण का पखवाड़ा भी शुरू किया है। इस अभियान के तहत अगले 10 दिनों में लगभग 8,600 करोड़ रुपये मूल्य के एक लाख किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट किया जएगा।

पंजाब में 100 प्रतिशत से अधिक बना आधार कार्ड

» यूआईडीआईए के आंकड़ों ने उठाए कई सवाल

चंडीगढ़,11 जनवरी 2025 (ए)। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा जारी हालिया आंकड़ों ने पंजाब में एक चौंकाने वाली स्थिति को उजागर किया है। राज्य में आधार कार्ड की संख्या अनुमानित जनसंख्या से 1.57 प्रतिशत अधिक है। यूआईडीआईए के मुताबिक, पंजाब की अनुमानित जनसंख्या 3.07 करोड़ है, जबकि आधार कार्ड की संख्या 3.12 करोड़ दर्ज की गई है। इस विसंगति ने न केवल प्रशासनिक स्तर पर बल्कि आम लोगों के बीच भी बहस छेड़ दी है।

आंकड़ों का विश्लेषण क्या कहता है?

यूआईडीआईए के आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में कुल 3,07,30,000 लोगों की अनुमानित जनसंख्या है। जबकि आधार कार्ड की संख्या 3,12,12,535 है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आधार कार्ड की संख्या अनुमानित जनसंख्या से अधिक है। यह आंकड़ा कई सवाल खड़े करता है।

क्यों उठा सवाल?

यह सवाल इसलिए खड़ा हुआ है कि एक राज्य में 100 प्रतिशत से अधिक आधार कार्ड कैसे जारी हो सकते हैं? विशेषज्ञ इसे कई संभावित कारणों से

जोड़ रहे हैं, जिनमें दोहरा नामांकन, प्रवासी आबादी, मृत व्यक्तियों के आधार कार्ड और आंकड़ों में तकनीकी त्रुटियां शामिल हैं।

क्या आंकड़ों में कोई त्रुटि है?

क्या किसी व्यक्ति ने एक से अधिक आधार कार्ड बनवाए हैं?
क्या आंकड़ों में प्रवासी आबादी को शामिल किया गया है?
इस स्थिति के कई संभावित कारण हो सकते हैं
आंकड़ों में त्रुटि: आंकड़ों को इकट्ठा करने और संकलित करने के दौरान कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। यह मानवीय त्रुटि या तकनीकी खराबी के कारण हो सकता है।
दोहरा नामांकन: हो सकता है कि कुछ लोगों ने एक से अधिक बार आधार कार्ड बनवाया हो। यह जानबूझकर या गलती से हो सकता है।
प्रवासी आबादी: पंजाब में प्रवासी आबादी भी हो सकती है, जिसने भी आधार कार्ड बनवाया हो।
मृत व्यक्तियों के आधार कार्ड: हो सकता है कि कुछ मृत व्यक्तियों के आधार कार्ड को अभी तक डेटाबेस से नहीं हटाया गया हो।

इस स्थिति के आखिर क्या परिणाम हो सकते हैं?

सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी: आधार कार्ड को कई सरकारी योजनाओं में पहचान के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। यदि आंकड़ों में त्रुटि है तो इससे इन योजनाओं में गड़बड़ी हो सकती है।
पहचान चोरी का खतरा: यदि किसी व्यक्ति के पास एक से अधिक आधार कार्ड है तो इससे उसकी पहचान चोरी होने का खतरा बढ़ जाता है।
अन्य समस्याएं: इस स्थिति के कारण कई अन्य समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे कि मतदान में धांधली और अपराध में वृद्धि।

इस समस्या के समाधान के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

आंकड़ों का पुनः सत्यापन: यूआईडीआईए को आंकड़ों का पुनः सत्यापन करना चाहिए और त्रुटियों को ठीक करना चाहिए।
दोहरे नामांकन पर रोक: यूआईडीआईए को दोहरे नामांकन को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए।
प्रवासी आबादी का डेटा: यूआईडीआईए को प्रवासी आबादी के डेटा को अलग से रखना चाहिए।
मृत व्यक्तियों के आधार कार्ड: यूआईडीआईए को मृत व्यक्तियों के आधार कार्ड को डेटाबेस से हटाना चाहिए।

सरकार की जिम्मेदारी:

पंजाब में आधार कार्ड की संख्या में बढ़ोतरी एक गंभीर मुद्दा है। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार और यूआईडीआईए को मिलकर काम करना होगा। हमें उम्मीद है कि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान निकाला जाएगा। यह समस्या केवल पंजाब तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई अन्य राज्यों में भी देखने को मिलती है। धार कार्ड एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है और इसका उपयोग कई महत्वपूर्ण कामों के लिए किया जाता है। इसलिए, यह सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है कि आधार डेटाबेस में सही और अद्यतन जानकारी हो। रकार को आधार कार्ड के उपयोग को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाने चाहिए।

दिल्ली शराब नीति पर कैग रिपोर्ट का खुलासा

» 2026 करोड़ का नुकसानः
» केजरीवाल सरकार ने फैसलों पर कैग की मंजूरी नहीं ली
» लाइसेंस में गड़बड़ी; नेताओं को घूस

नई दिल्ली,11 जनवरी 2025 (ए)। विधानसभा चुनाव से 25 दिन पहले दिल्ली में शराब नीति को लेकर कैग (कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया) की रिपोर्ट लीक हुई है। इसमें सरकार को 2026 करोड़ रुपए का रेवेन्यू लॉस होने की बात कही गई है।
इंडिया टुडे ने दावा किया है कि रिपोर्ट की कॉपी उसके पास है। रिपोर्ट में बताया गया है कि शराब नीति में काफी गड़बड़ियां थीं, जिनमें लाइसेंस देने में खामी भी शामिल है। इसके साथ ही आप लीडर्स को कथित तौर पर घूस के जरिए फायदा पहुंचाया गया।
रिपोर्ट में बताया गया है कि डिप्टी चीफ मिनिस्टर जिस ग्रूप ऑफ मिनिस्टर्स की अगुआई कर रहे थे, उसने एक्सपर्ट पैनल के सुझावों को खारिज कर दिया था। कैबिनेट ने नीति को मंजूरी दे दी थी और कई अहम फैसलों पर तब के उप-राज्यपाल की मंजूरी भी नहीं ली गई थी।
रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायतों के बावजूद सभी को नीलामी की बोली लगाने की मंजूरी दे दी गई थी। जिन्हें घाटा हुआ था, उन्हें भी लाइसेंस दे दिए गए या रिन्यू कर दिए गए थे। कैग रिपोर्ट को अभी दिल्ली विधानसभा में रखा जाना है।
दिल्ली में 2021 में नई शराब नीति लागू की गई थी। इसमें लाइसेंस आवंटन को लेकर कई सवाल खड़े हुए। नीति वापस लेनी पड़ी। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा। दोनों जेल भी गए। सीएम और डिप्टी सीएम पद छोड़ना पड़ा।

भारत की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा विश्व का सबसे बड़ा मुस्लिम देश

» दुनिया में बढ़ी भारतीय हथियारों की डिमांड
» ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने वाला दूसरा देश हो सकता है इंडोनेशिया।
» भारत के दौरे के बाद सुबियांतो मलेशिया जाएंगे पाकिस्तान नहीं जाएंगे।

नई दिल्ली,11 जनवरी 2025 (ए)। विश्व भर में भारत में निर्मित हथियारों की धूम है। इस बीच खबर है कि फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया चीन का दूसरा पड़ोसी हो सकता है जिसके पास भारत निर्मित ब्रह्मोस मिसाइल की क्षमता हो। ऐसा इसलिए क्योंकि इंडोनेशिया भी इस ब्रह्मोस मिसाइल का मुरीद हो चुका है।

दरअसल, भारत और इंडोनेशिया की सरकारों के बीच काफी लंबे अरसे से बातचीत चल रही थी, लेकिन अब वार्ता दूसरे स्तर पर पहुंच गई है। शुरूआत में ब्रह्मोस की कीमत को लेकर चिंतित इंडोनेशियाई सरकार का रक्षा मंत्रालय इस पर बात करने को तैयार हो गया है।
जानकारी दें कि भारत की तरफ से भी इंडोनेशियाई पक्ष को इस बात का पूरा आश्वासन दिया गया है कि वह इसकी कीमत को लेकर उसकी संवेदनाओं का पूरा ख्याल रखेगा। भारत बहुत ही आसानी से कर्ज उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी करने को तैयार है। दोनों देशों के बीच इस बारे में बातचीत होने से राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की आगामी भारत दौरे के दौरान गंभीर विमर्श होने की संभावना बन गई है। सुबियांतो इस वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के राजकीय मेहमान होंगे। 1950 के बाद यह चौथा अवसर होगा जब इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के गणतंत्र दिवस पर राजकीय मेहमान होंगे। इंडोनेशिया के साथ भारत के बेहद पुराने सांस्कृतिक व ऐतिहासिक संबंध है।

अब शिक्षकों के लिए हर सेमेस्टर में कम से कम 15 हफ्ते पढ़ाना अनिवार्य

» आचार संहिता भी बनाई नई
» नए भर्ती नियमों के साथ यूजीसी ने शिक्षकों की नई सेवा शर्तों का मसौदा किया जारी
» छुट्टी में कटौती के बदले अर्न लीव में से एक तिहाई छुट्टियों को क्रेडिट कराने की सुविधा

नई दिल्ली,11 जनवरी 2025 (ए)। विश्वविद्यालयों सहित देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षकों के भर्ती के लिए नए नियम का मसौदा जारी करने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उनके पढ़ाने के घंटों भी बढ़ोत्तरी कर दी है। जिसमें शिक्षकों को अब प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम 15 हफ्ते पढ़ाना अनिवार्य होगा। अभी प्रत्येक सेमेस्टर में उन्हें अधिकतम तेरह हफ्ते ही पढ़ाना होता है।

शोध और इनोवेशन से जोड़ने की सलाह

यूजीसी ने शिक्षकों से पढ़ाई के इन बढ़ाए गए दिनों में खुद को शोध और इनोवेशन जैसे गतिविधियों से जोड़ने की सलाह दी है। जिसका फायदा संस्थान के साथ छात्रों को भी मिलेगा। जो नए माहौल में अपने सपनों को उड़ान दे सकेंगे।शिक्षकों के काम-काज से जुड़े नए नियमों के मसौदे में यूजीसी ने जो नई व्यवस्थाएं की है, उनमें पढ़ाई के बढ़े घटों से शिक्षकों की छुट्टी के दिनों में होने वाले दो हफ्ते के नुकसान की भरपाई भी की गई है। जिसमें उन्हें एक साल में मिलने वाले अर्जित अवकाश (अर्न लीव) में से एक तिहाई अवकाश को क्रेडिट कराने का सुविधा दी है।

सीएम योगी को जान से मारने की धमकी

बरेली,11 जनवरी 2025 (ए)। सीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी मिली है। आरोपी ने फेसबुक पर लिखा- हिंदुओं यह जो तुम्हारा महाकुंभ आ रहा है, हम मुसलमान चैलेंज करते हैं कि नहीं होने देंगे। चाहे कितने भी सिर कलम करने पड़ जाएं...मुसलमानों जिहाद करो। ये 2025 राम मंदिर का आखिरी साल होगा। बरेली के विहिप नेता केके शंखधार ने फेसबुक पर धमकी भरी पोस्ट देखी। इसके बाद,ष्ठत्र बरेली और यूपी पुलिस को टैग कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। इस पर पुलिस और खुफिया विभाग की टीम अलर्ट हो गई।

बीजेपी ने जारी की विधानसभा उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट

नई दिल्ली,11 जनवरी 2025 (ए)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 29 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। आम आदमी पार्टी से बीजेपी में शामिल हुए कपिल मिश्रा को करावल नगर से मैदान में उतारा गया है, जबकि हरीश खुराना को मोती नगर और प्रिंयका गौतम को कोंडली विधानसभा सीट से टिकट दिया गया है.। इस लिस्ट में पांच महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने नरेला से राज करण खत्री,

तिमारपुर से सूर्य प्रकाश खत्री, मुंडका सीट से गजेन्द्र दलाल, किरारी से बजरंग शुक्ला, सुल्तानपुर माजरा (एससी) सीट से करम सिंह करमा, शकुर बस्ती से करनैल सिंह, त्री नगर से तिलक राम गुप्ता को टिकट दिया है।बीजेपी की दूसरी लिस्ट में टिकट पाने वाले नेताओं में-सदर बाजार से मनोज कुमार जिंदल,चांदनी चौक से सतीश जैन, मटिया महल से दीप्ति इंदौरा, मादीपुर से उर्मीला कैलाश गंगवाल, हरि नगर से श्याम शर्मा, तिलक नगर से श्वेता सैनी, विकासपुरी से पंकज कुमार सिंह, पवन शर्मा उत्तम नगर से शामिल हैं। इनके अलावा द्वारका में प्रद्युम्न राजपूत, मटियाला में संदीप सहरावत, नजफगढ़ में नीलम पहलवान, पालम में कुलदीप सोलंकी, राजिंदर नगर में उमंग बजाज, कस्तूरबा नगर में नीरज बसोया और रोहतास बिधूड़ी तुगलकाबाद से मैदान में होंगे।

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने विकास परियोजनाओं की मंजूरी को लेकर की अहम घोषणा

अरुणाचल,11 जनवरी 2025 (ए)। योजना प्रक्रिया में शक्ति के विकेंद्रीकरण की वकालत करते हुए, मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने आज कहा कि उनकी सरकार का अगला बड़ा सुधार विकास परियोजनाओं को मंजूरी देने में नीचे से ऊपर की योजना को लागू करने का संकल्प होगा। आज सुबह कुरुंग कुमे जिले के संग्राम में 'संकल्प समारोह' में बोलते हुए खांडू ने बताया कि योजना बनाने के 'पुराने तरीके' की जगह नई प्रक्रिया अपनानी होगी, जिसमें जमीनी स्तर पर लोगों द्वारा प्राथमिकता दी गई और अनुशंसित योजनाओं और परियोजनाओं को शामिल किया जाएगा।

संपादकीय

बी आर अंबेडकर की प्रतिस्पर्धी प्रशंसा

संसद में हाल ही में गृह मंत्री द्वारा बी आर अंबेडकर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के बारे में विवाद और कांग्रेस और भाजपा सांसदों द्वारा सदन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने का असाधारण तमाशा - उनके पोस्टर लहराना और जय भीम! चिल्लाना -सबसे हालिया और सबसे नाटकीय पुष्टि प्रदान करता है कि अंबेडकर एकमात्र भारतीय राजनीतिक व्यक्ति हैं जिनका कद उनकी मृत्यु के बाद से बढ़ा है। वे भारतीयों में सबसे अधिक पूजनीय हैं, उनके जन्मदिन पर उनके समर्पित अनुयायी पांच रातों तक जागरण करते हैं, देश भर में उनकी प्रतिमाएँ महात्मा गांधी के बाद दूसरे नंबर पर हैं। हर गाँव और हर चौराहे पर एक प्रतिमा है, सूट और टाई पहने एक मोटा गंजा व्यक्ति, संविधान का प्रतिनिधित्व करने वाली एक किताब पकड़े हुए। जब भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न, 1990 में मरणोपरांत उन्हें प्रदान किया गया था, तो एकमात्र आलोचना यह थी कि इसमें इतना समय क्यों लगा। आज, वामपंथी पार्टियाँ, दक्षिणपंथी भाजपा, मध्यमार्गी कांग्रेस और गैर-वैचारिक आम आदमी पार्टी सभी अंबेडकर के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हैं। पंजाब में आप सरकार द्वारा सरकारी कार्यालयों में अंबेडकर की तस्वीरें लगाने का फैसला इस बात का एक और उदाहरण है कि अब अंबेडकर किस तरह से प्रतिष्ठित हो रहे हैं। जैसा कि समाज विज्ञानी बद्री नारायण ने कहा है, अगर बाबासाहेब अंबेडकर आज जीवित होते, तो शायद वे यह देखकर हैरान रह जाते कि कैसे पूरी तरह से अलग विचारधारा वाले राजनीतिक दल उनके व्यक्तित्व से जुड़ने के लिए एक-दूसरे से होड़ कर रहे हैं।

वास्तव में, अंबेडकर के जीवन और कार्य को पहले से कहीं अधिक सार्वजनिक कल्पना में जगह बनाने के लिए नए सिरे से गढ़ा और फिर से कल्पित किया गया है। नारायण इसका श्रेय दलितों को पहले की तुलना में अधिक राजनीतिक रूप से जागरूक होने और दलित मतदाताओं तक पहुंचने के साधन के रूप में अंबेडकर के दृष्टिकोण के प्रति अपनी घोषित प्रतिबद्धता का उपयोग करने वाले राजनीतिक दलों को देते हैं, जिनकी संख्या मतदाताओं का लगभग 16.6 प्रतिशत है। युवा दलित लेखिका याशिका दत्त का तर्क है कि यह ठीक इसलिए था क्योंकि उन्होंने उनका इतनी तीखी आलोचना की थी, जो उच्च जाति के प्रतिष्ठान के लिए बहुत खतरनाक थी, इसलिए अंबेडकर को अपने कब्जे में लेकर उन्हें बेअसर करना सुरक्षित था। पार्टियों को उनके साहसिक विचारों से जुड़े बिना दलित वोटों की जरूरत थी; बिना किसी विषय-वस्तु के उनकी छवि को हथियाना ही समाधान था। भारत के नए-नए उभरे हिंदुत्व आंदोलन का अंबेडकर के प्रति रवैया इसका एक उदाहरण है। हिंदू धर्म पर उनकी क्रूर टिप्पणियों और दलितों को संगठित करने के लिए शुरू में उन्हें खारिज करने वाले हिंदुत्व आंदोलन को तब राहत मिली जब उन्होंने इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बजाय बौद्ध धर्म को अपनाने का फैसला किया ।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर विशेष

बालकों से पहले अभिभावक समझें संस्कारों की अहमियत

डॉ. प्रितम भि.गेडाम
मुंबई महाराष्ट्र

आज के आधुनिक दुनिया की वास्तविकता है कि दुर्भाग्य से अभिभावकों का व्यवहार ही बच्चों को नकारात्मकता की ओर धकेल रहा है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, जिद, अनुचित व्यवहार के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं तो लगातार बढ़ ही रही हैं, जन्म के समय बच्चों का अपर्याप्त विकास, कुपोषण, विकलांगता जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। आधुनिकता के नाम पर हम अपनी अच्छी बातें, संस्कार, विचार भूल गए हैं और बुरी बातों में लसकर जीवन को कठिन बना लिया है। अनेक माता-पिता या घर के बड़ों को यह भी नहीं पता कि उन्हें बच्चों के सामने कैसा व्यवहार करना चाहिए, इसी कारण परिवार, समाज, देश और दुनिया में समस्याओं का पहाड़ खड़ा हो रहा है। बच्चे रोते हैं, इसलिए उन्हें मोबाइल फोन की आदत लगा दी जाती है, बच्चे जिद करते है इसलिए उन्हें जंक फूड खिलाया जाता है। बच्चों के मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह वस्तुएं, खाद्यपदार्थ भी बड़े प्यार से मुहैया करायी जाती है और अभिभावक ही कहते हैं, कि आज की पीढ़ी बहुत बिगड़ गई है, मां-बाप की बात बिल्कुल नहीं सुनते। हम संस्कारहीन, संवेदनहीन, नैतिकताहीन, स्वार्थी समाज के अभिन्न अंग है।

इस साल शिक्षक दिवस के उपलक्ष पर एक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम के तौर पर छोटी बच्चियों के नृत्य का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। वह वीडियो देखकर हैरानी हुई, 6-7 साल की शालेय लड़कियां फिल्मी गाने पर डांस कर रही थीं, फिल्मी अभिनेत्री की तरह आधुनिक वेशभूषा धारण कर ये नन्ही बच्चियां शिक्षा के उस मंदिर में नाच रही थीं और गा रही थी कि आज की रात मजा हुस्न का, आँखों से लीजिये। शिक्षकों के सम्मानार्थ शिक्षक दिवस मनाया जाता है, वहां ये छोटी-छोटी लड़कियां नृत्य कला का कौन-सा प्रदर्शन कर रही है, उस स्कूल के शिक्षकों और उन बच्चियों के अभिभावकों के बारे में क्या कहें? जिन्होंने इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया। आज की आधुनिक पीढ़ी हमारे देश के महान समाज सुधारक, वैज्ञानिक, महान क्रांतिकारी देशभक्तों के बारे में जानती हो या नहीं, लेकिन उन्हें रील, फैशन, फिल्म इंडस्ट्री के बारे में जानकारी होती है। यहां तक कि बच्चों के रोल मॉडल भी देश के लिए जान न्योछावर करने वाले वीर सैनिक, संघर्षरत समाज सुधारक नहीं, बल्कि फिल्मी नायक-नायिकाएं हैं। क्योंकि बच्चों को पसंद आने वाली ऐसी मनोरंजक जानकारी उन्हें आसानी से उपलब्ध हो जाती है।

आजकल संयुक्त परिवार अलग होकर छोटे परिवारों में विभक्त हो रहे हैं। अधिकांश परिवारों में, माता-पिता के पास अपने बच्चों की देखभाल के लिए समय नहीं होता है। बच्चे अपना समय कहाँ बिताते हैं, उनकी दिनचर्या क्या होती है, बच्चे कितना पैसा कहाँ खर्च करते है, अधिकांश अभिभावकों को यह भी पता नहीं होता। बच्चे जैसा कहते हैं माता-पिता वैसा ही विश्वास करते हैं। बहुत बार बच्चों पर अतिविश्वास और अति लाड-प्यार भविष्य में परिवार, समाज, देश के लिए बहुत महंगा पड़ता है। आजकल बच्चों में आपराधिक प्रवृत्ति काफी बढ़ गई है, वे छोटी-छोटी बातों पर उग्र हो जाते है, नशा करते है, हथियार रखते है, गिरोह बनाकर घूमते हैं। छोटी-छोटी बात पर लड़ने तैयार हो जाते है। गालीगलौच, छींटाकशी और अभद्र भाषा का प्रयोग तो ऐसे करते है, कि चाहे कितनी भी महंगी शिक्षा क्यों न दी जाए, उन्हें उचित मोड़ नहीं मिलता है। अक्सर खबरें पढ़ने-सुनने को मिलती हैं कि नाबालिग गंभीर अपराधों में शामिल हैं। हत्या, बलात्कार, चोरी, डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, जानलेवा हमले करने वाले कई गिरोहों में नाबालिग भी होते हैं। जिद पूरी न होने पर कुछ लड़कियां और लड़के अपने माता-पिता की जान लेने से भी नहीं डरते, अपनी मनमानी पूरी न होने पर वे हिंसक हो जाते है, ये बच्चे अपराधी बनकर पैदा नहीं होते, माता-पिता की गैर जिम्मेदारी और लापरवाही के कारण अपराधी बनकर पूरे समाज के लिए घातक बन जाते हैं।

अधिकतर नवदम्पत्ति महिलाओं को घर पर भोजन बनाना पसंद नहीं है, इसलिए हमेशा स्वादिष्ट भोजन के लिए होटल जाना पड़ता है। शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिससे सेहत हमेशा खराब रहती है, बच्चों को भी बाहर खाने की आदत लग जाती है। बच्चों को अपना अच्छा-बुरा पता नहीं होता, लेकिन अभिभावक भी बच्चों पर अंकुश नहीं लगाते, उलटे उन्हें बिगाड़ देते हैं। अक्सर माता-पिता घर में बड़े-बुजुर्गों के साथ अमानवीय व्यवहार करते हैं, लेकिन वही माता-पिता अपने बच्चों से आदर्श चरित्र की उम्मीद करते हैं। हमारे सभ्य समाज में शायद ही देखने-सुनने मिलता है कि शादी से पहले बेटे अपने परिवार से विभक्त हो गए है या उन्होंने अपने बड़े बुजुर्गों, अभिभावकों को वृद्धाश्रम में छोड़ दिया है, लेकिन शादी के बाद घर परिवार से विभक्त होना अब तो आम बात हो गयी है। जब यह असहाय बुजुर्ग व्यक्ति जीवन के अंतिम पड़ाव में कमजोर शरीर के साथ जिंदगी की जद्दोजहद से जूझ रहे होते है, उसी वक्त उन्हें अपनों के सहारे की सबसे ज्यादा जरुरत होती है और उसी वक्त अपने उनका साथ छोड़ देते है।

आज के आधुनिक परिवेश में जहां सुख-सुविधाएं तो बहुत हैं, लेकिन इस आधुनिकता में मनुष्य ने अपनी खुशी, शांति, समाधान, स्वाभाविकता, भोलापन खो दिया है। मनुष्य इतने निचले स्तर पर चला गया है कि कई बार लोगों के स्वार्थ को देखकर ऐसा लगता है कि इनसे बेहतर तो पशु-पक्षी हैं, जो अपने लाभ के लिये दूसरों की जिंदगिया तबाह नहीं करते। फैशन और आधुनिक जीवनशैली के चक्कर में हम अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। अपराध, भ्रष्टाचार, पद और सत्ता का दुरुपयोग, प्रदूषण, मिलावट, हर जगह राजनीतिक हस्तक्षेप, अश्लीलता, झूठ, दिखावे, भेदभाव, धोखाधड़ी, नशाखोरी, लालच, असभ्य व्यवहार, ईर्ष्या के इस प्रदूषित वातावरण में मन की शांति प्राप्त करना एक भ्रम है।

कई माता-पिता अपने बच्चों की आवश्यक जरूरतों और उनकी जिद के बीच के अंतर को नहीं समझते। बचपन से ही महंगे शौक, जिद, गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड रिलेशनशिप का चलन, तनाव, आधुनिकता, झूठा दिखावा, फिल्में और बच्चों के दिमाग पर सोशल मीडिया के बुरे प्रभाव ने उनमे गलत काम के प्रति आकर्षण बढ़ाकर उनके जीवन में जहर घोल दिया है। अभिभावकों का लगातार व्यस्त रहना, बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान न देना, बच्चों पर नियंत्रण न रखना, बच्चों की गलतियों को हमेशा नजरअंदाज करना, केवल महंगे उपकरण या भौतिक सुविधाएं प्रदान करना, बच्चों को अत्यधिक लाड़-प्यार करना और उनकी हर इच्छा पूरी करना ही माता-पिता अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। क्या बच्चों के सामने अभिभावक आदर्शवादी मार्गदर्शक की भूमिका बखूबी निभा रहे है? कि जिससे बच्चे सिख लें। बच्चों को सही समय पर संस्कार उचित पालन-पोषण, पोषक वातावरण देना बहुत जरूरी है। एक बार समय बीत जाने पर पछतावे के अलावा कुछ नहीं बचता, फिर उस गलती का खामियाजा व्यक्ति को जीवन भर भुगतना पड़ता है। माता-पिता को आधुनिक बनना चाहिए लेकिन केवल सोच के साथ और वही सोच अगली पीढ़ी तक पहुंचानी चाहिए। यदि अभिभावक जागरूक होकर बच्चों को संस्कारवान बना दें, तो समाज की नब्बे फीसदी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

माता-पिता चाहे कितने भी व्यस्त क्यों न हों, चाहे वे गरीब हों या अमीर, यह माता-पिता की जिम्मेदारी है, कि वे अपने बच्चों के लिए समय निकालें। आज के बच्चे कल देश का उज्ज्वल भविष्य हैं, बच्चों को जितने अच्छे संस्कार मिलेंगे, देश उतना ही बेहतर और मजबूत होगा। माता-पिता की गलती की सजा बच्चों को न भुगतनी पड़े। बच्चे माता-पिता के व्यवहार का अनुकरण करते है, इसलिए माता-पिता का व्यवहार बच्चों के सामने हमेशा अनुकरणीय होना चाहिए, बच्चों को उत्कृष्ट व्यवहार और पोषक वातावरण दें। बच्चों को अच्छे और बुरे के बीच अंतर करना सिखाएं। कमजोरों की मदद करें और महिलाओं का सम्मान करना सिखाएं। माता-पिता अपने बच्चों को पैसा कैसे कमाया जाता है, यह सिखाने से पहले ईमानदारी के साथ सुख से जिंदगी कैसे जी जाती है, यह सिखायें। देश में कल की पीढ़ी का भविष्य आज माता-पिता के हाथ में है, उस पीढ़ी को संस्कारित और सशक्त बनायें। केवल संस्कारित माता-पिता ही संस्कारशील बच्चों का सृजन कर सकते हैं और उन्हें उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए मजबूत बना सकते हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

फिर संकट में हरियाणा की सुकन्या समृद्धि

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

घटती बेटियां: कोख में ही छीन रहें साँसें

हरियाणा में 2024 में लिंगानुपात आठ साल के सबसे निचले स्तर पर पहुँच गया है। हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात 2024 में गिरकर 910 हो गया है, जो 2016 के बाद सबसे कम है, जब यह अनुपात 900 था। राज्य ने कभी भी डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित आदर्श लिंगानुपात 950 को हासिल नहीं किया है। लड़कों की पसंद के कारण राज्य में लड़कियों की चाहत कम हो गई है क्योंकि उनके परिवारों को डर है कि वे भागकर शादी करने के कारण भविष्य में बदनामी का कारण बन सकती हैं। उनके अनुसार, लड़कियाँ पैसा और संपत्ति कमाकर अपने परिवार की मदद नहीं कर सकती हैं। इसके विपरीत, परिवारों को उनकी शादी में दहेज देना होगा। ऐसी सोच के कारण हरियाणा में लड़कों को शादी के लिए लड़कियाँ नहीं मिल रही हैं। हरियाणा के अधिकांश गांवों में आमतौर पर ऐसी समस्या है।जब तक हरियाणा में लड़के की पसंद में बदलाव नहीं आता, तब तक लिंगानुपात की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता।

कन्या भ्रूण हत्या के लिए बदनाम हरियाणा का लिंगानुपात (एसआरबी यानी जन्म के समय लिंगानुपात) राज्य सरकार द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार आठ साल के सबसे निचले स्तर पर पहुँच गया है। 2024 के पहले 10 महीनों यानी अक्टूबर तक लिंगानुपात 905 दर्ज किया गया। यह पिछले साल से 11 अंक कम है। वर्ष 2016 में इससे कम लिंगानुपात दर्ज किया गया था। वर्ष 2019 में 923 के उच्चतम स्तर पर पहुँचने के बाद वर्ष 2024 में हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात घटकर 910 रह गया, जो आठ वर्षों में सबसे कम है। इन आंकड़ों ने हरियाणा के कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के सदस्यों को चिंतित कर दिया है, हालांकि अधिकारियों ने नवीनतम आंकड़ों को मामूली उतार-चढ़ाव क़रार दिया है। वर्ष 2021 में प्रकाशित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के अनुसार

भारत में जन्म के समय कुल लिंगानुपात 929 था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित आदर्श लिंगानुपात 950 से हरियाणा बहुत दूर है। राज्य आज तक इस आंकड़े को हासिल नहीं कर पाया है। लिंगानुपात में गिरावट का मतलब है कि राज्य में लड़कियों को गर्भ में ही मार दिया जा रहा है। आर्थिक प्रगति के बावजूद हरियाणा में बड़ी संख्या में लोग अभी भी बेटों को प्राथमिकता देते हैं। जब तक यह सोच नहीं बदलेगी, लिंगानुपात को लेकर स्थिति में सुधार नहीं होगा। राज्य के लोगों में लड़कों को प्राथमिकता दिए जाने के कारण हरियाणा के पड़ोसी राज्यों में अल्ट्रासाउंड संचालकों और गर्भपात केंद्रों का धंधा ख़ूब फल-फूल रहा है। इन राज्यों में ज्यादा सख्ती नहीं है। हरियाणा से लोग दलालों के जरिए यहाँ पहुँचते हैं और जांच व गर्भपात करवाते हैं। अल्ट्रासाउंड संचालक पैसे के लिए गर्भ में पल रहे भ्रूण की ग़लत जानकारी भी देते हैं। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब लड़कों को लड़की बताकर गर्भपात करवा दिया गया।

अल्ट्रासाउंड करने वाले और गर्भपात करने वाले एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक में इस पैमाने पर उल्लेखनीय सुधार करने वाले राज्य के लिए यह एक झटका है। 2014 में हरियाणा में लिंगानुपात सिर्फ़ 871 था। इस पर देशभर में भारी आक्रोश फैल गया और नागरिक समाज संगठनों, राज्य सरकार और केंद्र ने स्थिति को सुधारने के लिए ठोस प्रयास किए। हरियाणा में गिरते लिंगानुपात को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया था। अभियान के बाद राज्य का लिंगानुपात सुधर कर 2019 में 923 पर पहुँच गया। लेकिन 2020 में इसमें फिर से गिरावट शुरू हो गई, जो अब तक जारी है। हालांकि, तब से लिंगानुपात में एक बार फिर से गिरावट देखी गई है, यह झटका ऐसे समय में आया है जब राज्य की महिलाएँ अंतरराष्ट्रीय मंचों सहित खेलों में और साथ ही शिक्षाविदों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। 2014 और 2019 के बीच हुई बढ़त प्री-कॉन्सेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स एक्ट, 1994 (पीएनडीटी एक्ट) के सख्त प्रवर्तन के साथ-साथ गहन जागरूकता अभियान के कारण हुई। इसका उद्देश्य हरियाणा में बड़े पैमाने पर जन्मपूर्व लिंग चयन और कन्या भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाना था, साथ ही साथ सामाजिक दृष्टिकोण को बदलना था, जिसमें परिवार लड़कों को पसंद करते थे और लड़की को बोझ के रूप में देखते थे। हरियाणा में बच्ची के जन्म पर 21, 000 रुपये की एकमुश्त राशि प्रदान करने और सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से लड़कियों के लिए बैंक खाते खोलने के बावजूद, बालिकाओं को बोझ के रूप में क्यों देखा जाता है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि नज़रिया बदलने के लिए और अधिक काम करने की ज़रूरत है और हाल के वर्षों में कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के उद्देश्य से बनाए गए कानूनों का क्रियान्वयन ढीला पड़ गया है। लड़कों की पसंद के कारण राज्य में लड़कियों की चाहत कम हो गई है क्योंकि उनके परिवारों को डर है कि वे भागकर शादी करने के कारण भविष्य में बदनामी का कारण बन सकती हैं।

दिल्ली में गलत ट्रैक पर जा रही है कांग्रेस,फिर से फंस गए हैं राहुल गांधी

राहुल गांधी कई बार चुनावी मैदान में सेल्फ गोल करते दिखाई देते हैं तो कई बार गलत ट्रैक पर जाकर रास्ता ही भटक जाते हैं। दिल्ली विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण चुनाव में भी एक बार फिर से राहुल गांधी गलत ट्रैक पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

यह बात बिल्कुल सौ फीसदी सही है कि कांग्रेस के वोट बैंक को छीनकर ही आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपराजेय पार्टी के तौर पर स्थापित हुई है लेकिन उतना ही बड़ा सच यह भी है कि कांग्रेस पार्टी अपना वह पुराना वोट बैंक आप से पूरी तरह से छीनने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में बेहतर तो यह होता कि कांग्रेस अपने पुराने वोट बैंक को पाने के लिए फेज वाइज रणनीति बनाकर, उसे अमल में लाती लेकिन इसकी बजाय कांग्रेस रणनीतिक तौर पर एक बहुत बड़ी गलती करते हुए दिखाई दे रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी खोई जमीन पाने के लिए कांग्रेस एमओएस फॉर्मूला अपनाने जा रही है। यानी कांग्रेस दिल्ली में अल्पसंख्यक अर्थात मुस्लिम बहुल सीटों के साथ ही उन विधानसभा सीटों पर फोकस करेगी ,जहां-जहां ओबीसी और दलित मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। हकीकत में कांग्रेस यहीं सबसे बड़ी गलती करने जा रही है। राहुल गांधी के करीबियों ने उन्हें यह सलाह देकर,एक बार फिर से उनके नेतृत्व में पूरी कांग्रेस पार्टी को गलत ट्रैक पर डाल दिया है। मंडल-कमंडल की राजनीति के दौर के बाद ओबीसी यानी अन्य पिछड़े वर्ग के मतदाता पूरी तरह से कांग्रेस से विमुख हो चुके हैं और इनकी वापसी की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे में कांग्रेस के इस फॉर्मूले का असफल होना तय माना जा रहा है।

दरअसल, राहुल गांधी को कांग्रेस को फिर से मजबूत करने के लिए एमओएस की बजाय बीडीएम के फॉर्मूले को अपनाना चाहिए जिसके बल पर जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी और मनमोहन सिंह तक देश पर राज कर चुके हैं।

बीडीएम फॉर्मूले का मतलब है - ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम समुदाय। इसी समीकरण के बल पर कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर राज किया है। लोकसभा चुनाव के समय से ही मुस्लिम मतदाताओं के बड़े वर्ग ने कांग्रेस की तरफ लौटना शुरू कर दिया है। दिल्ली में भी इस बार के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं का वोट बड़े पैमाने पर कांग्रेस को मिलने की संभावना है और अगर कांग्रेस भाजपा को हराती हुई नजर आई तो पूरा मुस्लिम समाज कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देते हुए नजर आएगा। लेकिन इसके लिए कांग्रेस को बीडीएम फॉर्मूले के - ब्राह्मण और दलित को भी अपने साथ जोड़ना होगा। दिल्ली का दलित आज की तारीख में अरविंद केजरीवाल के साथ खड़ा है और उन्हें अपने पाले में लाने के लिए राहुल गांधी को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के मान-सम्मान की लड़ाई को और ज्यादा तेज करना पड़ेगा। ब्राह्मण मतदाताओं की बात करें तो दिल्ली में यह समाज आज की तारीख में भाजपा, आप और कांग्रेस - तीनों ही पार्टियों में बंटा हुआ है। राहुल गांधी अगर थोड़ी सी कोशिश भी करेंगे तो अन्य राजनीतिक दलों के ओबीसी राग से नाराज ब्राह्मण समाज पूरी तरह से कांग्रेस के पाले में खड़ा नजर आएगा।

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी 13 जनवरी को दिल्ली के चुनावी मैदान में उतर कर पहली जनसभा कर सकते हैं। राहुल गांधी को जोर-शोर से दिल्ली में चुनावी जनसभाएं, रोड शो और रैलियां करनी ही चाहिए। लेकिन उन्हें कांग्रेस के पूरे चुनाव प्रचार अभियान को बीडीएम केंद्रित ही बनाना चाहिए और इसे जमीनी धरातल पर उतर कर क्रियान्वित भी करना चाहिए। गौर करने वाली बात यह है कि ब्राह्मण मतदाताओं का बड़े पैमाने पर साथ आना अन्य अगड़ी जातियों को भी कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने के लिए प्रेरित कर सकता है।

-संतोष पाठक-

छत्तीसगढ़ के लोक परब दान के प्रतीक छेरछेरा

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के पावन भुइँया,जेखर महिमा अपरंपार हे।एकर कतको बखान करे जाय कम ही हे।जब भुइँया के बात आथे,त ए माटी के सुरता हमन ल बरबस ही धान के रिगबिग-रिगबिग छटके लहलहात फसल के बाली ह, डोली ह, अउ खेती-खारी ह झलक जाथे।छत्तीसगढ़-माटी के इही पहचान आय,इही ह तो चिन्हारी आय।तभे तो कहे जाथे-

÷छत्तीसगढ़ के पावन माटी
जेकर महिमा हे अबड़ भारी।
ए माटी के अड़बड़ महात्तम
जेमा उपजे हे अनकुमारी।

इही अन्न धान के पाछु म हमर छत्तीसगढ़ म किसम-किसम के परब ल मनाय जाथे।जेखर उद्देश्य हमर संस्कृति,सभ्यता,रहन-सहन,रीति-रिवाज अउ हमर पुरखा के मान-बड़ाई अउ धरम ल अंगीकार करना,अउ आने वाला पीढ़ी ल ओकर महात्तम ल बताना आय। इही परिपाटी म आथे हमर लोक परब छेरछेरा जेला छत्तीसगढ़ के सबले बड़े परब के रूप म जाने जाथे।जे दिवस म अन्न के दान ल अब्बड़ महत्व माने जाथे।अउ इही दिन ल हमर छत्तीसगढ़ीहा मरार बन्धु मन शाकम्भरी जयंती के रूप म भी मनाथे।गाँव-गाँव कलश यात्रा निकाले जाथे,इही देवी ल ए मन अपन कुलदेवी के रूप पूजा अर्चना करथें।

ए लोक परब ल मनाए जाथे पूस पुन्नी के पावन दिवस म।ए दिन म नान्हे-नान्हे लईका सियान, जवान, जम्मो हमर सँगी-जहुंरिया, भाई-बहिनी मन टुकनी-चरिहा धर के गाँव-गंवई के खोर-गली म टोली बनाके मोहाटी-मोहाटी म जाके ÷छेरछेरा-छेरछेरा-माई कोठी के धान ल हेरहेरा÷ के टेर लगाथें।अउ फेर घर के सियान मन अपन शक्ति अनुसार धान के दान करथें।

एक तरह से देखा जाय त एहर हमर छत्तीसगढ़ के बहुत सुग्घर पावन परम्परा आय,जेमा ÷दान देना अउ दान लेना के संस्कृति ह झलकथे।

अउ ए परम्परा ल मनाय के कारण ए हर आय की नावा फसल के मिंजाई हो जाथे जेला सुग्घर मन्जा के अपन घर ले आथें।घर के कोठी-डोली ह धान म भर जाथे।अउ इही खुशी के कारण मनाय जाथे लोक परब छेरछेरा।ए लोक परब छेरछेरा के उत्सव ह खेती-किसानी के प्रमुख धंधा म दान पुण्य के रिवाज ल सुरता करा देथे।अउ इही बहाना हमर छत्तीसगढ़ के जनमनास म एक उल्लास अउ सामाजिक भावना के संचार होथे। ए सुग्घर बेरा म गाँव के युवा संगी-जहुंरिया मन टोली बनाके झांझ-मंजीरा मांदर सँग कूद- लईया मार-मार के छेरछेरा माँगत डंडा गीत म नाचथें-गाथें गाँव म जगह-जगह लाइ-मुर्रा के लाडू बेचात रहिथे जेला कुलकुल्ला हो के जनमानस सहित लईका मन अड़बड़ बिसाके खाथें।

अउ ए प्रकार से ए लोक परब छेरछेरा धीरे-धीरे दान देहे के परमपरा बन गिस। ए परम्परा ल हमर गाँव के जनमानस मन श्रद्धा-विस्वास के साथ मनाना शुरु कर दिन।जे पर्व हर मात्र एक परम्परा बस नोहय, एमा छत्तीसगढ़ के सासंस्कृतिक अउ धार्मिक महात्तम हर भी फरी-फरी झलकथे,जेमा श्रद्धा विस्वास के, मया-पिरित के, भाईचारा ह दिखथे।

कविता
क्यों रत्नावली

घटती-घटना

गरिमा गर्विता
झुंझुनू
राजस्थान

रत्नावली तुमने ही तो
तुलसी को फंटकारा था ।
जब प्रेम में बौराया वो
सर्प को रस्सी समझ
पास तुम्हारे आया था ।
उसके सांसारिक प्रेम को
तुमने ही राम से जोड़ा था ।
कर तपस्या तुलसी ,
तुलसीदास हो गये
रच रामचरित मानस
जग में अमर हो गये ।
पर जिसने राह दिखाई
वो रत्नावली कही खो गई
तुलसी ने जो त्यागा उसको
शाख से टूटे पत्ते सी हो गई ।
क्यों तुलसी ने उसे मान नही दिया
राह दिखाई जिसने उसे ही ठुकरा दिया
क्यों. ....?

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

भाजपा ने महामाया मंदिर प्रवेश द्वार उद्घाटन कार्यक्रम को भव्य बनाने की तैयारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

एक बार फिर मां महामाया प्रवेश द्वारा का उद्घाटन भाजपा द्वारा 15 जनवरी को किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन राम विचार नेताम तथा सरगुजा सांसद व विधायकों की उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन से पूर्व शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारीयों तथा भाजपा पार्षदों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर जायजा लिया गया। इस दौरान नगर पालिक निगम आयुक्त व अन्य निगम अधिकारियों को उद्घाटन कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने की दृष्टि से प्रवेश द्वार की साज सज्जा, मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, प्रसाद वितरण तथा लोकार्पण शिलालेख की स्थापना सहित अन्य बिंदुओं पर महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए चर्चा की गई। विदित है कि भारतीय जनता पार्टी महामाया प्रवेश द्वार के निर्माण को लेकर आम नागरिकों के साथ विगत कई वर्षों से संघर्षरत रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने इस अवसर को मां महामाया का आशीर्वाद मानते हुए 15 जनवरी को शहर की कोटि कोटि जनता से कार्यक्रम में शामिल होकर इसे एतिहासिक बनाने की अपील की है। इस अवसर पर अंबिकेश केसरी, अभिमन्यु गुप्ता, विनोद हर्ष, संजय अग्रवाल नेता, हरमिंदर सिंह, मनोज कंसारी, कमलेश तिवारी, निरंजन राय, सिकंदर जायसवाल, जितेंद्र सोनी, महेश जायसवाल, सतीश शर्मा, मनीष वर्मा, दीपक सोनी, अजय सोनी, अजय कुमार, मुसर्रत अली तथा अजय सारथी सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'आस्था से अधिक महत्वपूर्ण है राजनीति'

लोकार्पित हो चुके मां महामाया प्रवेश द्वार को भाजपा द्वारा 15 जनवरी को पुनः लोकार्पण किए जाने को लेकर महापौर डॉ अजय तिर्की व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने आपत्ति व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि 7 जनवरी को प्रवेश द्वार का लोकार्पण पूरे विधी विधान से पूजा अर्चना कर सम्पन्न हो चुका है। 7 जनवरी के लोकार्पण को लेकर निगम में निर्वाचित बॉडी में पूर्ण सहमति थी। नेता द्वय ने कहा है कि भाजपा के विधायक और सांसद से चर्चा के उपरांत 7 जनवरी की तिथि लोकार्पण हेतु तय किया था। लोकार्पण की सम्पूर्ण कार्यवाही निगम कमिश्नर के संज्ञान में था। लेकिन 7 जनवरी को लोकार्पण के दिन विधायक और संसद के साथ सभी आमंत्रित भजपाई और उनके इशारे पर पूरा प्रशासनिक अमला गायब हो गया। ऐसा प्रतीत हुआ कि राजनीति को प्रमुखता देते हुए एक सुनियोजित तरीके से भाजपा ने मां महामाया प्रवेश द्वार के लोकार्पण का बहिष्कार कर मां महामाया के प्रति अम्बिकापुर शहर के लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाया है। भाजपा के लिये मां महामाया के प्रति आस्था से अधिक महत्वपूर्ण राजनीति है। गौरतलब है कि 22 मार्च 2023 को डॉ अजय तिर्की के नेतृत्व में निगम में निर्वाचित कांग्रेस की बॉडी ने माँ महामाया प्रवेश द्वार के लिए प्रस्ताव पारित कर बजट के लिये प्रदेश सरकार को भेजा था। पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव के प्रयास से तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने इसके लिए 49.3 लाख रुपये की स्वीकृति दी थी। 27 सितंबर 2023 को पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव ने प्रवेश द्वार का शिलान्यास किया था। इसी निर्वाचित बॉडी ने पक्ष विपक्ष में तारतम्य स्थापित करते हुए 7 जनवरी को माँ महामाया प्रवेश द्वार के लोकार्पण किया जिसके लिए सहमति देने के बावजूद भाजपाइयों ने कार्यक्रम का अघोषित बहिष्कार किया। निवर्तमान महापौर अजय तिर्की ने पुनः लोकार्पण को लेकर आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि प्रवेश द्वार का निर्माण आम जनता के मतदान से बहुमत एवं अनुमति प्राप्त कर कांग्रेस द्वारा प्रशासित निगम की बॉडी ने किया है। लोकार्पण का निर्णय भी इसी बॉडी के द्वारा कर कर लोकार्पण के कार्य को पूर्ण किया गया। लोकार्पित प्रवेश द्वार के पुनः लोकार्पण का निर्णय जनता द्वारा निर्वाचित बॉडी और उसके निर्णय को अपमानित करना है।

पुरानी रंजिश पर रुपए देकर दुकान में लगवाई थी आग,महिला गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पुरानी रंजिश को लेकर एक महिला ने कॉस्मेटिक दुकान में ज्वलनशील पदार्थ फेंकवाकर आग लगवा दी थी। इससे दुकान संचालक को करीब साढ़े चार लाख रुपए का नुकसान हुआ था। मामले में पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। वहीं कोतवाली पुलिस ने पूर्व में घटना में शामिल तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

जानकारी के अनुसार प्रकाशचंद्र पांडेय शहर के अग्रसेन वार्ड देवेश्वर कॉलोनी का रहने वाला है। इसके कॉस्टमेटी दुकान में अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगा दी गई थी। इससे साढ़े चार लाख रुपए का नुकसान हुआ था। प्रकाश चंद्र पांडेय ने मामले की रिपोर्ट 24 दिसंबर को कोतवाली में दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को बताया था कि आगजनी को घटना को अंजाम देने के लिए कांतिप्रकाशपुर निवासी मीरा पाण्डेय उर्फ उमा पाण्डेय ने कहा था। इसके लिए वह 20 हजार रुपए भी दिए थे। मामले में पुलिस ने शनिवार को मीरा पाण्डेय उर्फ उमा पाण्डेय को गिरफ्तार किया है। मामले पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग का अपहरण कर बलात्कार,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शादी करने का झांसा देकर नाबालिग लडक़ी का अपहरण कर बलात्कार के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार एक नाबालिग लडक़ी 2 जनवरी से अपने घर से लापाता हो गई थी। परिजन ने मामले की रिपोर्ट 4 जनवरी को लुण्ड्रा थान में दर्ज कराई थी। पुलिस बीएनएस की धारा 137 (2) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने नाबालिग लडक़ी को सूरजपुर जिले के प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मंहगई निवासी मंगल साय उर्फ पंकज उम्र 19 वर्ष के कब्जे से बरामद किया। पूछताछ के दौरान पीड़िता ने आरोपी द्वारा शादी का झांसा देकर अपहरण बलात्कार करने की बात बताई। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण में धारा 87, 64(2)(ड) एवं पोक्सो एक्ट की धारा 4, 6 जोडक़र जेल दाखिल कर दिया है।

सर्राफा संघ कोर कमेटी की हुई बैठक, संगठन के गतिविधियों पर हुई चर्चा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सर्राफा संघ कोर कमेटी की बैठक सर्राफा संघ कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सर्राफा संघ अध्यक्ष परशुराम सोनी ने की। इस दौरान सचिव रंजीत सोनी, कोषाध्यक्ष कृष्णा सोनी, सुरेश सोनी, रविंद्र सोनी, लड्डू सोनी, रामू सोनी उपस्थित थे। जिसमें छत्तीसगढ़ सर्राफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी, प्रदेश महामंत्री प्रकाश गोलछा के कार्यप्रणाली की निंदा की गई। अंबिकापुर सराफा का निर्वाचन वैधानिक तरीके से संपन्न हुआ निर्वाचन अधिकारी राजेश सोनी थे चुनाव प्रक्रिया संपन्न करने में 20 दिन का वक्त लग गया सर्राफा संघ के निर्वाचित प्रतिनिधियों को मान्यता देने का आपको कोई भी विशेषाधिकार अधिकार नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि वहां हम चुनाव कराने फिर आएंगे ऐसी स्थिति निर्मित होने पर सर्राफा संघ अंबिकापुर प्रदेश के अध्यक्ष के निर्णय का विरोध करते हुए किसी भी चुनाव में सभी सदस्य शामिल नहीं होंगे चुनाव का बहिष्कार करेंगे। सर्राफा संघ अंबिकापुर प्रदेश से जुड़ा हुआ संगठन है कई वर्षों से प्रदेश की सदस्यता प्राप्त है सरगुजा संभाग का प्रतिनिधित्व परशुराम सोनी जी के द्वारा हमेशा किया गया। परशुराम सोनी प्रदेश के संरक्षक सरगुजा संभाग प्रमुख ने सदैव सर्राफा संघ के हित में कार्य करते रहे उन्होंने किया है प्रदेश अध्यक्ष के कार्यकाल में वह कार्य किया खुद प्रदेश अध्यक्ष जो नहीं कर पाए हैं सरगुजा संभाग प्रमुख ने सर्राफा रामानुजगंज में डकैती का मामला हो या सरगुजा संभाग में चोरी का मामला हो सर्राफा संघ के हित में हमेशा खड़े रहे?। इनकी सक्रियता सरगुजा संभाग सर्राफा के लोगों के लिए कितनी है यह पूरा संभाग सर्राफा एवं सर्व समाज जानता है ।सरगुजा प्रदेश संरक्षक संभाग प्रभारी परशुराम सोनी जिला प्रभारी रंजीत सोनी पे झूठा आरोप लगा निष्क्रियता का हवाला देते हुए इन्हें पद से हटाया गया यह निर्णय प्रदेश सर्राफा अंबिकापुर सर्राफा के हित में नहीं है

प्रदेश अध्यक्ष एवं महामंत्री के निर्णय से सर्राफा संघ अंबिकापुर सरगुजा संभाग काफी नाराज है उनकी निंदा करता है इनके द्वारा अनैतिक बातों को मनाने से इनकार करता है। इनके हठ धर्मी से अंबिकापुर सर्राफा में कोई भी घटना घटती है तो इसकी जवाबदारी प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी प्रदेश महासचिव प्रकाश गोलछा की होगी।

चौकी खड़गवां पुलिस ने हत्या के मामले में 23 आरोपियों को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

दिनांक 10.01.2025 को ग्राम सुन्दरगंज चौकी लटोरी निवासी संजय एक्का ने चौकी खड़गवां में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 10.01.2025 को इसका मौसेरा भाई संतोष टोप्पो के कहने पर उनके पट्टे के जमीन को जोताई करने संतोष के पिता माघेराम टोप्पो, माँ बसंती टोप्पो, भाई नरेश टोप्पो, सुरेश टोप्पो व मजदूरों के साथ ट्रेक्टर लेकर ग्राम केरता डुबकापारा खेत में जाकर खेत जोताई कर रहे थे, दोपहर 12 बजे गांव के राजकुमार, मंधारी राम, बिहारी, रोवन, बाबुलाल, सियाराम व अन्य लोगों के द्वारा एक राय होकर लाठी, डंडा, टांगी, फावड़ा लेकर खेत में आए तथा हमारे जमीन को क्यों जोताई कर रहे हो कहकर विवाद करते हुए टांगी, फावड़ा, लाठी-डंडा से जानलेवा हमला कर माघेराम, बसंती, नरेश व सुरेश को मारपीट किए। मारपीट में नरेश टोप्पो, बसंती टोप्पो की मृत्यु हो गई। गंभीर रूप से घायल माघेराम टोप्पो को उपचार हेतु अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर के द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। सुरेश घायल है जिसका उपचार अम्बिकापुर अस्पताल में चल रहा है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 11/2025 धारा 61(2), 115(2), 190, 191(3), (103) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने मामले की गंभीरतापूर्वक विवेचना करते हुए आरोपियों को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर नंदिनी ठाकुर के मार्गदर्शन में चौकी खडगवां व थाना प्रतापपुर की संयुक्त पुलिस टीम के द्वारा दबिश देकर 23 आरोपियों को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। घटना में प्रयुक्त टांगी, फावड़ा, लाठी-डंडा जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है और आगे की विवेचना जारी है।

गिरफ्तार आरोपीः-

1. राजकुमार पिता स्व. फगना राम उम्र 62 वर्ष, 2. मंधारी राम पिता स्व. फगना राम उम्र 60 वर्ष 3. रामधनी पिता नानसाय उम्र 48 वर्ष 4. बिहारी पिता नानसाय उम्र 60 वर्ष 5. रोवन पिता नानसाय उम्र 50 वर्ष 6. सियाराम पिता नानसाय उम्र 58 वर्ष 7. धरमसाय पिता स्व. फगना उम्र 70 वर्ष 8. अनुकलाल पिता चुखूल उम्र 45 वर्ष 9. उजेन्द्र उर्फ उजर पिता राजकुमार उम्र 35 वर्ष 10. बिरेन्द्र टोप्पो पिता धरमसाय उम्र 29 वर्ष 11. प्रदीप टोप्पो पिता सियाराम टोप्पो उम्र 30 वर्ष 12. नरेन्द्र टोप्पो पिता मंधारी उम्र 30 वर्ष 13. सम्मू पिता बाबुलाल उम्र 37 वर्ष 14. महाजन टोप्पो पिता मटुकधारी उम्र 26 वर्ष 15. दिवालसाय टोप्पो पिता रोवन उम्र 26 वर्ष 16. कमलेश टोप्पो पिता सियाराम टोप्पो उम्र 32 वर्ष 17. अमेन्द्र कुमार पिता मंधारी उम्र 46 वर्ष 18. प्रकाश टोप्पो उर्फ डेगु पिता सियाराम उम्र 23 वर्ष 19. गुंजा राम पिता उम्र 32 वर्ष 20. रामप्रसाद टोप्पो पिता बिहारी उम्र 37 वर्ष 21. बाबुलाल पिता पंचन उम्र 60 वर्ष 22. बुच्ची उर्फ बैशाखो पति मंधारी टोप्पो उम्र 52 वर्ष 23 जसिंता टोप्पो पति प्रदीप टोप्पो उम्र 22 वर्ष सभी निवासी ग्राम केरता डुबकापारा, चौकी खड़गवां, थाना प्रतापपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, चौकी प्रभारी खड़गवां योगेन्द्र जायसवाल, एएसआई सुनील भारती, प्रधान आरक्षक विनय किस्पोट्टा, रजनीश त्रिपाठी, विनोद परीड़ा, आरक्षक हरिशंकर सिंह, अशोक कनौजिया, पंकज सिंह, मनोज राय, अनिल एक्का, रामाधार, राकेश सिदार, भगत सिंह नेताम, महिला आरक्षक लता सिंह व अंजना सक्रिय रहे।

स्कूली बच्चों के बीच गर्म कपड़ों का वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिले में पड़ रही कड़ाके की ठंड के बीच सेवा किटी समूह द्वारा प्राथमिक विद्यालय गंगापुर खुर्द के बच्चों के बीच टोपी, स्कार्फ और मिठाई का वितरण किया गया। समाज सेविका वंदना दत्ता, स्मिता तिवारी, प्रधान पाठिका शशिकला पैंकरा, सहायक शिक्षक सायरा बानो, पुष्पा चौधरी, कल्पना सिन्हा शामिल रहे।

पाइप फैक्ट्री के तीन ठिकानों पर जीएसटी सेंट्रल का छापा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शहर के एक पाइप फैक्ट्री के तीन ठिकानों पर सेंट्रल जीएसटी की टीम ने छापा मारा है। जीएसटी की गड़बड़ी पर छापेमारी की कार्रवई की गई है। कार्रवाई में लगभग एक दर्जन से अधिक सेंट्रल जीएसटी टीम के अधिकारी शामिल थे। उक्त कार्रवाई पिछ्ले दो दिनों से चल रही थी। शनिवार को कार्रवाई पूर्ण होने पर टीम वापस चली गई है।

जीएसटी में भारी गड़बड़ी की शिकायत पर जीएसटी सेंट्रल बिलासपुर जोन की टीम ने शुक्रवार को शहर के सरगुजा पाइप फैक्ट्री के तीन ठिकानों पर छापेमारी कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों ने फैक्ट्री के दफ्तरों और अन्य ठिकानों पर पहुंचकर दस्तावेज खंगाले। सेंट्रल जीएसटी की टीम ने दो दिनों तक फैक्ट्री के विभिन्न दस्तावेजों की जांच की और शनिवार सुबह कार्रवाई पूरी कर अंबिकापुर से वापस लौट गई। हालांकि, अधिकारियों ने अब तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

यूक्रेन ने पकड़े दो उत्तर कोरियाई सैनिक, कुर्स्क में रूसी सेना की तरफ से युद्ध के आरोप

कीव,11 जनवरी 2025। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन की सेना ने रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में रूसी सैनिकों के साथ लड़ रहे दो उत्तर कोरियाई सैनिकों को पकड़ लिया है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब कुछ दिनों पहले यूक्रेन ने अगस्त में कुर्स्क में कब्जाई गई जमीन को बरकरार रखने के लिए वहां नए हमले शुरू कर दिए थे। इस हमले के बाद द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार रूसी क्षेत्र पर कब्जा हुआ था।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर साझा की तस्वीरें

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा- हमारे सैनिकों ने कुर्स्क में उत्तर कोरियाई सैनिकों को पकड़ा है। ये दो सैनिक हैं जो, हालांकि घायल हैं, जीवित बच गए, उन्हें कीव लाया गया, और वे यूक्रेनी सुरक्षा सेवाओं के साथ संवाद कर रहे हैं। उन्होंने दो पुरुषों की तस्वीरें साझा की, जो बिस्तरों पर आराम कर रहे थे और कमरे में खिड़कियों पर जंगले लगे थे। दोनों के शरीर पर पट्टियां बंधी थीं।

जेलेंस्की ने कहा कि इन सैनिकों को जिंदा पकड़ना आसान नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि कुर्स्क में रूसी और उत्तर कोरियाई सेनाएं उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौजूदगी को छिपाने की कोशिश कर रही थीं, जिसमें वो अपने घायल साथियों को मार दे रहे हैं, ताकि उन्हें कीव की तरफ से पकड़ने और पूछताछ से

बचाया जा सके।

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने दी जानकारी

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा स्क्र ने शनिवार को इन दो सैनिकों के बारे में और जानकारी दी। एक बयान में कहा गया कि एक के पास कोई दस्तावेज नहीं था, जबकि दूसरे के पास एक रूसी सैनिक पहचान पत्र था, जिसमें तुवा, रूस का नाम लिखा था, जो मंगोलिया की सीमा से सटा हुआ एक रूसी क्षेत्र है। बयान में कहा गया %कैदी न तो यूक्रेनी, न अंग्रेजी और न ही रूसी बोलते हैं, इसलिए उनके साथ संवाद कोरियाई अनुवादकों के माध्यम से किया जाता है।

SBU के अनुसार, एक सैनिक ने यह दावा किया कि उसे बताया गया था कि वह रूस में प्रशिक्षण के लिए जा रहा है, न कि यूक्रेन के खिलाफ लड़ने के लिए। एजेंसी ने कहा कि दोनों सैनिकों को जिनेवा कन्वेंशन्स के अनुसार चिकित्सा सहायता प्रदान की गई है, और वे दक्षिण कोरियाई खुफिया सेवाओं के सहयोग से जांच किए जा रहे हैं।

यूक्रेन, व्हाइट हाउस और पेंटागन ने पहले की थी पुष्टि

एक वरिष्ठ यूक्रेनी सैन्य अधिकारी ने पिछले महीने कहा था कि कुर्स्क में रूस की ओर से लड़ रहे कुछ सौ उत्तर कोरियाई सैनिक युद्ध में मारे गए या घायल हुए हैं। यह अधिकारी उत्तर कोरियाई सैनिकों के पहले महत्वपूर्ण नुकसान के अनुमान जानकारी साझा कर रहा था, जो कई हफ्तों बाद आया था जब यूक्रेन ने यह घोषणा की थी कि उत्तर कोरिया ने रूस को युद्ध में मदद करने के लिए 10,000 से 12,000 सैनिक भेजे हैं। वहीं, व्हाइट हाउस और पेंटागन ने पिछले महीने पुष्टि की थी कि उत्तर कोरियाई सेनाएं मुख्य रूप से पैदल सेना की भूमिका में अग्रिम मोर्चे पर लड़ रही थीं। वे रूसी इकाइयों के साथ लड़ रहे थे और कुछ मामलों में कुर्स्क के आसपास स्वतंत्र रूप से भी लड़ रहे थे।

खैबर पख्तूनख्वा में भीषण सड़क हादसा,नौ लोगों की मौत,कई लोगों के घायल होने की खबर

पेशावर,11 जनवरी 2025। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एक बस अड्डे पर यात्री बस और जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, यह हादसा करक जिले में इंडस राजमार्ग पर अंबेरी कल्ला के पास हुआ, जब एक यात्री कोच और एक ट्रेलर की भिड़ंत हुई।हादसा तेज रफ्तार की वजह हुआ। इसमें नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए। पुलिस और बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने हादसे पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों को सभी जरूरी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। गंडापुर ने कहा, हम इंडस राजमार्ग पर हुए इस दर्दनाक हादसे के मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।

रोसाटॉम ने बाइडन प्रशासन के नए प्रतिबंधों को बताया गैरकानूनी,कहा...हम किसी भी स्थिति के लिए तैयार

वॉशिंगटन, 11 जनवरी 2025। रूस के परमाणु उर्जा निगम रोसाटॉम ने कहा कि बाइडन प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध गैरकानूनी हैं और इन्हें दुश्मन देशों द्वारा की जा रही अनुचित प्रतिस्पर्धा के रूप में देखा जा रहा है। इसने कहा, रोसाटॉम परमाणु उर्जा तकनीकों के निर्यात में दुनिया का नेता है। इसलिए ये प्रतिबंध दुश्मन देशों की ओर से की जा रही अनुचित प्रतिस्पर्धा के रूप में देखे जा रहे हैं।

रोसाटॉम ने एक बयान में कहा, करीब तीन वर्षों से हम बढ़े हुए प्रतिबंधों के दबाव में काम कर रहे हैं और सफलतापूर्वक खुद को ढालते हुए किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं। रोसाटॉम अपने सभी साझेदारों के साथ किए गए सभी वादों को पूरी तरह से निभा रहा है।

बाइडन प्रशासन ने शुक्रवार को रूस के महत्वपूर्ण उर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंध बढ़ाने का एलान किया। यह कदम यूक्रेन में जारी संघर्ष को लेकर रूस को कड़ी सजा देने के मकसद से उठाया गया। वहीं, दूसरी ओर राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद ट्रंप व्हाइट हाउस में लौटने के लिए तैयार हैं और उन्होंने युद्ध को जल्द खत्म करने का वादा किया है।

इन प्रतिबंधों में दो भारतीय कंपनियों स्काईहार्ट मैनेजमेंट सर्विसेज और एविएशन मैनेजमेंट सर्विस व रोसाटॉम के वरिष्ठ अधिकारियों को भी शामिल किया गया है। ये परमाणु उर्जा, गैर उर्जा वस्तुओं और उच्च तकनीनी उत्पादों में विशेषज्ञता रखते हैं। इसके अलावा डेढ़ सौ से अधिक संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। जिसमें रूसी तेल अत्पादक गैजप्रोम नेफ्ट और सुर्गुटनेफ्टेगास, रूसी बीमा कंपनियां और शैडो फ्लीट जहाज भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने कहा कि ये प्रतिबंध रूस की अर्थव्यवस्था को हर महीने अरबों डॉलर का नुकसान पहुंचा सकते हैं। ये प्रतिबंध उन संस्थाओं को दंडित करेंगे, जो रूस के साथ व्यापार करेंगे।

इमरान खान की पार्टी के 153 कार्यकर्ताओं को जमानत, एक माह पहले विरोध प्रदर्शन के समय हुई थी गिरफ्तारी

इस्लामाबाद, 11 जनवरी 2025। पाकिस्तान की एक आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की पीटीआई पार्टी के 153 कार्यकर्ताओं को जमानत दी। ये सभी कार्यकर्ता एक महीने पहले विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए थे। एटीसी के जज अबुल हसनत जुल्करनैन की अध्यक्षता में सुनवाई की गई।

एटीसी ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 177 कार्यकर्ताओं की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें से 153 को जमानत दी गई, जबकि 24 की याचिकाएं खारिज कर दी गईं। इमरान खान ने 13 नवंबर को देशभर में

विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया था। इसके बाद पीटीआई के हजारों कार्यकर्ता इस्लामाबाद पहुंचे। हालांकि पुलिस ने उन्हें कार्यकर्ताओं को तितर-बितर कर दिया था और 1,400 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तर कर लिया था। ये कार्यकर्ता पीटीआई के चुनाव अधिकार की बहाली, पार्टी कार्यकर्ताओं की रिहाई और संविधान के 26वें संशोधन को पलटने की मांग कर रहे थे। पाकिस्तानी अखबार %डॉन% के मुताबिक, शुक्रवार को हुई सुनवाई में अदालत ने इन कार्यकर्ताओं पांच हजार रुपये के मुचलके पर जमानत दी। इससे पहले तीन जनवरी को एटीसी ने ढाई सौ प्रदर्शनकारियों को जमानत दी थी और 6 जनवरी को 192 पीटीआई कार्यकर्ताओं को जमानत मिली थी। इमरान खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदिलाया जेल में बंद हैं। उन पर भ्रष्टाचार सहित कई मामले दर्ज हैं। तबसे पीटीआई और पाकिस्तान की शहबाज सरकार के बीच टकराव जारी है। फरवरी 2024 के आम चुनाव के बाद से पीटीआई और सरकार के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है।

क्रांतिकारी गीतों से गूंज रही दमिश्क,असद सरकार के पतन के एक महीने बाद सीरियाई लोग मना रहे जश्न

दमिश्क,11 जनवरी 2025। दमिश्क में लोगों से खचाखच भरा कॉन्सर्ट हॉल उस समय जयकारों से गुंजायमान हो उठा, जब सीरियाई विद्रोह के प्रतीक और प्रसिद्ध गायक वास्फी मासरानी ने सीरिया की जीत के जश्न में प्रस्तुति दी। बुधवार को आयोजित कॉन्सर्ट में मासरानी 13 साल के निर्वासन के बाद सीरिया लौटे हैं। इन 13 वर्षों तक लॉस एंजिल्स में रहते हुए, मासरानी ने संगीत के जरिए से सीरिया के विद्रोह का समर्थन करना जारी रखा था, अमेरिका और यूरोप का दौरा किया था।

सीरियाई गायकों ने विद्रोह में जताई अहम भूमिका

सीरियाई छात्रों की तरफ से स्थापित एक मानवीय संगठन, मोलहम वालंटियरिंग टीम की तरफ से आयोजित इस संगीत कार्यक्रम का आयोजन, पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को अचानक विद्रोह के कारण सत्ता से हटाए जाने के एक महीने बाद इसका आयोजन किया गया। साल 2011 में शुरू हुए लगभग 14 साल के विद्रोह और नागरिक युद्ध के दौरान, माआसरानी और अब्देलबासेत सरौत जैसे क्रांतिकारी गानों ने सीरिया के लोगों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। सरौत एक सीरियाई गायक और कार्यकर्ता थे, जिनका 2019 में निधन हो गया था। बता दें कि, असद शासन के खिलाफ विरोध करने वाले कई लोग, जैसे माआसरानी,

देश छोड़कर भाग गए थे और यह सुनिश्चित नहीं था कि वे कभी वापस आ पाएंगे या नहीं।

जश्न के दौरान छलके लोगों के आंसू

इस जश्न के दौरान कॉन्सर्ट हॉल में भीड़ के फोन की लाइट्स सितारों की तरह झिलमिलाती दिखीं, जो संगीत के साथ एकजुट होकर झूल रही थीं और लोग साथ गा रहे थे, इस दौरान कुछ लोग आंसू पोंछते भी देखे गए। भीड़ खुश होकर ताली बजा रही थी और कई लोग नए सीरियाई ध्वज को लहरा रहे थे, जो तीन सितारों से चिह्नित था। हॉल में एक बैनर पर लिखा था, यह सीरिया महान है, न कि असद का सीरिया। माआसरानी के सबसे प्रसिद्ध गीतों में से एक है जबीनाक अली व माबिंताल, जिसे उन्होंने 2012 में गाया था। यह गीत फ्री सीरियाई आर्मी को संबोधित करता है, जो 2011 में असद के खिलाफ संघर्ष करने के लिए बनाई गई सेना और नागरिकों का गठबंधन था। इस दौरान भीड़ में एक और बैनर पर लिखा था, यह जनविद्रोह है और लोग कभी हारते नहीं हैं।

प्रदर्शन को रैद सालेह ने किया संबोधित

इस प्रदर्शन के बीच, रैद सालेह, जो व्हाइट हेलमेट्स संगठन के प्रमुख हैं, ने भीड़ से कहा, इस जीत के साथ हमें उन परिवारों को नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने कभी अपने बच्चों को जेलों और हिरासत केंद्रों में नहीं पाया। असद के शासन के तहत हजारों लोग यातना दिया गया और कई लोग गायब हो गए थे। असद के पतन के बाद, व्हाइट हेलमेट्स ने लापता लोगों की तलाश में मदद की।

माआसरानी ने याद किया निर्वासन के 13 साल

कॉन्सर्ट के बाद, माआसरानी ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, यह एक सपना जैसा है सीरिया लौटकर अपनी क्रांतिकारी गाने गाना। उन्होंने कहा, हम हमेशा उन्हें सीरिया के बाहर गा रहे थे, दूर से खुशी और दुख के पल जी रहे थे। उन्होंने निर्वासन में बिताए गए सालों को याद किया और दो हत्या के प्रयासों से बचने की बात की, जिनसे बचने के बाद उन्होंने सीरिया छोड़ा।

ब्रिटेन की वित्त मंत्री का चीन दौरा,व्यापार-निवेश पर चर्चा

उप-प्रधानमंत्री लिफेंग से मुलाकात

लंदन,11 जनवरी 2025। ब्रिटेन की वित्त मंत्री रेचल रीव्स ने इस साप्ताहांत पर चीन पहुंचीं, जहां उन्होंने 2019 के बाद से पहली बार ब्रिटेन-चीन आर्थिक और वित्तीय संवाद (ईएफडी) बैठक में भाग लिया। उनके दौरे का मुख्य उद्देश्य चीन के साथ व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में साझा आधार तलाशना है।

रीव्स ने शनिवार को चीन के उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग से मुलाकात की, जहां दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने पर चर्चा की। ब्रिटेन के वित्त मंत्रालय ने कहा, इस बातचीत से ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को 600 मिलियन पाउंड का लाभ हो सकता है। दोनों पक्षों ने वित्तीय सेवाओं, व्यापार, निवेश और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग गहरा करने पर सहमति जताई।

ब्रिटेन की वित्त मंत्री ने कहा,अपने मतभेदों के बावजूद व्यापार और निवेश के क्षेत्र में हम एक-दूसरे के साथ दीर्घकालिक आर्थिक संबंध बना सकते हैं, जो कि राष्ट्रहित में होगा। इस दौरान रीव्स के साथ वित्तीय सेवा के क्षेत्र से जुड़े प्रुख अधिकारी भी थे, जिनमें भारतीय मूल के निखिल राठी (एफसीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी) और बैंक ऑफ इंग्लैंड के ग्वर्नर एंड्रयू बैली शामिल थे।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की पिछले साल जी20 शिखर सम्मेलन में मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने ब्रिटेन और चीन के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की थी। अब ब्रिटेन की विदेश मंत्री का बीजिंग दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रेचल रीव्स ने हांगकांग में अधिकारों की रक्षा करने और रूस के साथ युद्ध में चीन के समर्थन का मुद्दा भी उठाया। चीन ने लंदन में 2025 में एक नया ग्रीन बॉन्ड जारी करने का एलान किया है। यह बॉन्ड पर्यावरण से जुड़ी परियोजनाओं के लिए पैसा जुटाएगा। इसके अलावा, ब्रिटेन और चीन ने वित्तीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए नए कदम उठाए हैं। इनमें ब्रिटेन और चीन के शेयर बाजार को जोड़ने और बॉन्ड व्यापार को बढ़ावा देने की योजना शामिल है।

ब्रिटेन-चीन आर्थिक और वित्तीय संवाद(ईएफडी) का मकसद ब्रिटेन की कंपनियों के लिए चीन में व्यापार की बाधाओं को कम करना और उन्हें नए अवसरों का लाभ दिलाना है। रीव्स ने शंघाई में भी ब्रिटेन और चीन के व्यापार प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

क्षेत्रीय तनाव के बीच इंडोनेशिया-जापान का करार,रक्षा व आर्थिक संबंध मजबूत करने का वादा

बोगोर,11 जनवरी 2025। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा की यात्रा के दौरान जापान और इंडोनेशिया ने शनिवार को आर्थिक और रक्षा संबंधों को और मजबूत करने का संकल्प लिया। बता दें कि, मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात के बाद जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा शुक्रवार को कुआलालंपुर से जकार्ता पहुंचे। दोनों देशों की उनकी यात्रा का उद्देश्य दक्षिण चीन सागर में चीनी आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है, क्योंकि इस महीने में निवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद इस क्षेत्र में अमेरिकी उपस्थिति कम हो सकती है।

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने किया पीएम इशिबा का स्वागत

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो ने जकार्ता के ठीक बाहर बोगोर राष्ट्रपति भवन में जापानी प्रधानमंत्री इशिबा का स्वागत किया, उनके साथ इंडोनेशियाई पारंपरिक कपड़े पहने हुए स्वागतकर्ता और एक सैन्य बैंड था जिसने दोनों नेताओं - दोनों पूर्व रक्षा मंत्रियों - के बीच द्विपक्षीय बैठक से

पहले दोनों राष्ट्रगान बजाए।

इस बैठक के दौरान, पीएम इशिबा ने इंडोनेशिया के खाद्य और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य का समर्थन करने, इसके रक्षा विकास में भाग लेने और खनिजों के रणनीतिक खनन समेत इसके प्राकृतिक संसाधनों के औद्योगिकीकरण और इंडोनेशियाई स्कूली बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का वादा किया।

जापान ने इंडोनेशिया को मदद का किया वादा

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में, जापान के प्रधान मंत्री ने इंडोनेशिया को आर्थिक सहयोग और विकास संगठन का सदस्य बनने में मदद करने का भी वादा किया। दोनों पक्षों ने इंडोनेशियाई परिवहन और वितरण प्रणालियों में सुधार के लिए पाटिम्बन में एक नए बंदरगाह के निर्माण समेत परियोजनाओं के लिए 90.4 बिलियन येन (573 मिलियन अमेरिकी डॉलर) तक के जापानी ऋण पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस दौरान सुबियांटो ने कहा कि बैठक गर्मजोशी, मैत्रीपूर्ण और गहन थी, और उन्होंने क्षेत्रीय स्थिति और बढ़ते राजनीतिक तनाव पर भी चर्चा की। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने कहा, इंडोनेशिया सभी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की इच्छा रखता है, ताकि वह ऐसे माहौल में योगदान दे सके जो प्रमुख देशों के बीच तनाव को कम कर सके।

सिडनी में यहूदी धर्मस्थलों की दीवारों के बाहर लिखी गई आपत्तिजनक टिप्पणियां,जांच में जुटी पुलिस

मेलबर्न,11 जनवरी 2025। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक यहूदी धर्मस्थल और एक घर के बाहर आपत्तिजनक ग्राफिटी (दीवारों पर बनाई जाने वाली कलाकृति) स्प्रे पेंट किया गया, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस को शनिवार की सुबह साढ़े सात बजे घटना की जानकारी मिली। उन्हें बताया गया कि सिडनी के न्यूटाउन में जॉर्जिना स्ट्रीट के एक यहूदी धर्मस्थल के बाहर ग्राफिटी स्प्रे पेंट किया गया है। वहां लाल रंग के स्वास्तिक बनाए गए थे। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने तस्वीरें साझा की, जिसमें दो लोगों को देखा गया। एक ने हल्के रंग के जूते, काली हूडी और गहरे रंग के कपड़े पहने हुए थे। वह बाइक से आया था।

शुक्रवार को अल्लावा यहूदी धर्मस्थल में तोड़फोड़

इससे पहले शुक्रवार को दक्षिणी सिडनी के अल्लावा यहूदी धर्मस्थल में तोड़फोड़ की गई और बाहरी दीवारों पर स्प्रे पेंट से

स्वास्तिक भी बनाए। शनिवार को क्वींस पार्क के हेनरी स्ट्रीट में अधिकारी एक घर में पहुंचे। उन्हें बताया गया कि संपत्ति के पास यहूदी विरोधी शब्दों का स्प्रे पेंट किया गया था। इस सप्ताह स्ट्रीट पर यह दूसरी घटना है। इससे पहले सोमवार को भी यही वाक्य एक कार के किनारे लिखा हुआ था।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने की घटना की निंदा

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इन घटनाओं की निंदा की। उन्होंने कहा, यहूदी विरोध एक अभिशाप है। पुलिस ने सभी मामलों की जांच शुरू कर दी है। न्यू साउथ वेल्स के यहूदी बोर्ड ऑफ डेप्युटीज के अध्यक्ष डेविड ओसिप ने कहा, धर्म स्थलों को निशाना बनाने पर हम सभी को दुख होना चाहिए। कोई यह नहीं सोचता कि यह सिर्फ बर्बरता की हरकतें हैं। उन्होंने आगे कहा, इन नफरत फैलाने वाले लोगों को यह जानने की जरूरत है कि वे कभी सफल नहीं होंगे।

न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिंस ने अस्थाई सुरक्षा कदमों में योगदान के लिए न्यू साउथ वेल्स यहूदी बोर्ड ऑफ डेप्युटीज को 340,000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान देने की घोषणा की। मानहानि विरोधी आयोग के अध्यक्ष डीविर अब्रामोविच ने इन घटनाओं को यहूदी समुदाय के लिए आतंकवाद का खतरा बताया।

CMYK

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सुपरवाइजर पर लगाए उत्पीड़न के आरोप

अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा ज्ञापन,न्याय की मांग

- संवाददाता -
उदयपुर,11 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग, उदयपुर के सेक्टर-1 की दर्जनों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सुपरवाइजर पर आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी बन सिंह नेताम को ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि सुपरवाइजर उनसे आरओ के प्रत्येक 50 किलो पर 100 रुपये की वसूली करती हैं। इसके अलावा, गर्म भोजन का सामान भी कम मात्रा में उपलब्ध कराया जाता है। एक दिन की अनुपस्थिति पर तीन दिन का मानदेय काट लिया जाता है। नवंबर माह की गर्म भोजन की राशि भी अभी तक कार्यकर्ताओं को नहीं मिली है।

चर्चा के दौरान कार्यकर्ताओं ने बताया कि हरी सब्जी खरीदने के लिए समूह की महिलाओं द्वारा दिए गए 100-200 रुपये भी सुपरवाइजर द्वारा वापस मांग लिए जाते हैं। नोटिस का जवाब दिए जाने पर भी उसे स्वीकार नहीं किया जाता। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि आरओ कटौती का पैसा नहीं देने पर एक कार्यकर्ता को नौकरी छोड़ने की धमकी देकर बार-बार प्रताड़ित किया गया। इस मामले में परियोजना अधिकारी दयामणी कुजूर ने बताया कि दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया गया है और आपसी समन्वय के साथ काम करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यकर्ता को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना गलत है।

अनुविभागीय अधिकारी बन सिंह नेताम से इस मामले में प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

राज्य सरकार के विरोध में राजपुर पिछड़ा वर्ग समूह के द्वारा बैठक कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
राजपुर,11 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

राज्य सरकार के द्वारा नगरीय निकाय त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ओबीसी वर्ग के आरक्षण शून्य करने के विरोध में अपने तीसरी बैठक में ओबीसी वर्गों के हित में अहम फैसले लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया द्य

विदित हो कि प्रदेश के विष्णु देव सरकार के द्वारा नगरीय निकाय वह स्त्री स्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जब से अधिसूचना जारी की गई है जिसमें ओबीसी वर्ग के लोगों को नगरीय निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से ओबीसी वर्ग को आरक्षण न मिलने से प्रदेश में बस्तर से लेकर सरगुजा संभाग तक ओबीसी वर्गों के द्वारा जिले वह ब्लॉक स्तरों में धरने प्रदर्शन कर प्रदेश की विष्णु देव साय सरकार के विरोध में ओबीसी वर्गों के द्वारा विरोध प्रगट करते देखा जा रहा है द्य जिसको लेकर आज दिनांक 11 1 2024 को राजपुर ब्लॉक स्थित हाई स्कूल ग्राउंड पर पिछड़ा वर्ग समूह के द्वारा दोपहर 2:00 बजे से बैठक रखा गया था जिस पर सैकड़ो की संख्या में राजपुर ब्लॉक के विभिन्न पंचायत व नगर पंचायत से ओबीसी वर्ग के बुजुर्ग युवा व महिलाएं उपस्थित होकर अपनी अपनी बातें रखी सर्वप्रथम सुरेश सोनी ने ओबीसी आरक्षण को लेकर कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा जिस तरह से वर्तमान नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव में ओबीसी वर्गों की चुनाव में हिस्सेदारी सुनने की गई है उसे प्रतीत होता है आने वाले समय में ओबीसी वर्गों को चुनाव से ही नहीं अलग किया है बल्कि उनके बच्चे जो वर्तमान में शिक्षा केदो में अध्यनरत हैं उनका भी भविष्य अंधकार मय होने से नहीं बचा जा सकता ऐसा दावे से इसलिए करता हूं कि राजपुर नगर पंचायत में एक भी ओवैसी आरक्षण

नहीं है जबकि पूर्व में चार आरक्षित था यही नहीं आसपास के पंचायत में जहां ओबीसी की संख्या साठ से लेकर 70 परसेंट है वहां भी पच के लिए भी एक भी सीट आरक्षित नहीं है और ना ही आंगनवाड़ी में छोटे पदों की भर्तियां में भी ओबीसी वर्गों की कोई गुंजाइश नहीं है ऐसे इसीलिए मानता हूं कि ओबीसी वर्गों के लिए कोई भी हॉस्टल हमारे क्षेत्र में नहीं है जहां रखकर गरीब ओबीसी बच्चे बच्चियों पढ़ लिखकर नौकरियों के लिए आरक्षण के मापदंड अनुसार नंबर हासिल कर पात्र होने का दावा कर सके इसलिए इसलिए सर प्रदेश सरकार के द्वारा शायद यही निर्णय लिया गया है।

अरुण सोनी के द्वारा कहा गया कि सोए हुए ओबीसी वर्ग नहीं जागे तो एक दिन ऐसा आएगा आने वाला ओबीसी बच्चे गुलामी के जंजीर में जकड़े नजर आएंगे

ऐसा कहना इसलिए लाजमी होता है कि आज भी ओबीसी वर्ग अपने अधिकार के लिए लड़ाई नहीं की जबकि ओबीसी वर्ग आज प्रदेश में 50 प्रतिशत से लगभग ऊपर है दुख की बात है कि आज भी वह कुंभ करनी नींद में सोए हैं क्योंकि राजनीति पार्टियों में होते हुए भी कभी विधानसभा में ओबीसी का मुद्दा कभी नहीं उठाया द्य यादव समाज से संजय यादव राम बिहारी यादव शुभम सोनी व उपस्थित ओबीसी समाज के वक्ताओं ने संबोधित कर प्रदेश सरकार की उक्त नीति को लेकर प्रदेश सरकार को अपने उद्बोधन में चेताया गया द्य बैठक उपरांत हाई स्कूल ग्राउंड से पैदल मार्च कर एसडीएम कार्यालय तक ओबीसी जिंदाबाद अब और नहीं सहेंगे मरते दम तक अब लड़ेंगे अब जो ओबीसी की बात करेगा वह आदेश प्रदेश में राज करेगा की नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय जाकर एसडीएम को लिखित में अपनी बातों को रखकर आगामी 13 तारीख को राजपुर स्थित गांधी चौक पर चक्का जाम करने का भी ज्ञापन दिया गया।

वक्त कार्यक्रम में सुरेश सोनी पूरन जायसवाल पूरन देवांगन रामधनी दास व यादव समाज पनीका समाज वह अन्य ओबीसी समाज की सैकड़ो में उपस्थित रही।

सरगुजा की गुनगुन गुप्ता का चयन प्रधानमंत्री के साथ परीक्षा पर चर्चा के लिये

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

आत्मानंद विद्यालय लखनपुर की छात्रा कुमारी गुनगुन गुप्ता का चयन प्रधानमंत्री के साथ परीक्षा पर चर्चा के लिये हुआ है। 14 जनवरी को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से छात्रा गुनगुन गुप्ता को अपने प्रश्न का उत्तर तथा मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त होगा। जिले के लिये गर्व की बात है। छात्रा गुनगुन गुप्ता को विद्यालय परिवार ने बधाई एवं शुभकामनाये दीं है।गुनगुन गुप्ता कक्षा 11 वी की छात्रा है। सरगुजा जिले से केवल इसी छात्रा का चयन हुआ है। गुनगुन कक्षा 10वी में 95 प्रतिशत अंक अर्जित की थी।

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने तातापानी में चलाया स्वच्छता अभियान

» साफ-सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

- संवाददाता -
बलरामपुर,11 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

तातापानी महोत्सव 2025 का आयोजन 14 से 16 जनवरी 2025 तक किया जा रहा है। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन एवं शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य श्री एन.के. देवांगन के नेतृत्व में महोत्सव के पूर्व राष्ट्रीय सेवा योजना और एनसीसी के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाया। स्वयं सेवकों ने आस्था के केंद्र तातापानी को स्वच्छ बनाने एवं पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु तातापानी स्थित मंदिर परिसर एवं गर्म जल कुंड के चारों ओर साफ-सफाई की। स्वच्छता अभियान में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर, शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तातापानी के लगभग 400 स्वयं सेवकों ने भाग लिया। स्वच्छता अभियान के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने समुदाय को स्वच्छता, सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने, पर्यावरण की स्वच्छता बनाये रखने एवं जन जागरूकता लाने का संदेश दिया।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की हुई जांच

» पीड़ित बच्चों का होगा निःशुल्क इलाज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीएस मार्को के निर्देशानुसार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य

कार्यक्रम अंतर्गत बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की जांच यूपीएचसी नवापारा में की गई। स्वास्थ्य विभाग एवं राजधानी रायपुर स्थित निजी अस्पताल एमएमआई नारायण हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में यह जांच शिविर आयोजित किया गया। हॉस्पिटल की ओर से डॉ सुमन्ता शेखर पाढ़ी के द्वारा कुल 88 बच्चों की जांच किया गया जिसमें लगभग 28 बच्चों में जन्मजात हृदय रोग होने की पुष्टि हुई जिनका ऑपरेशन कर उपचार किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में डॉ रंजना आर्य प्रभारी अधिष्ठाता, डॉ आरसी आर्या एमएस, डॉ अविनाशी कुजूर विभाग्यध्यक्ष स्त्री रोग, डॉ स्मिता परतवार नोडल अधिकारी ईको कार्डियोग्राफी, डॉ मोहम्मद शागिल विभाग्यध्यक्ष भेषज विभाग, डॉ सुमन सुधा तिर्की विभाग्यध्यक्ष शिशु रोग, डॉ अंकित गुप्ता अस्सिटेंट प्रोफेसर शिशु रोग, डॉ हेमराज, डॉ इंदु, डॉ वीणा धात्रक, डॉ प्रबंजन, सहित सभी आरबीएसके दल तथा अन्य सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

ज्वेलरी दुकान संचालक को मिला धमकी भरा पत्र, कोतवाली में दर्ज कराई मामले की रिपोर्ट

पुलिस लेटर लिखने वाले की कर रही है तलाश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

शहर के रिंग रोड स्थित केनाबांध चौक निवासी ज्वेलरी दुकान के संचालक को अनजान व्यक्ति ने जान से मारने की धमकी दी है। इस संबंध में एक पत्र दुकान के शटर के अंदर मिलने से भयभीत दुकान संचालक ने इसकी शिकायत कोतवाली थाने में की है। लेटर जब्त कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर के केनाबांध चौक निवासी रंजन कुमार सोनी की रिंग रोड केनाबांध के पास ही ज्वेलरी की दुकान है। 4 जनवरी की दोपहर में करीब 3 बजे वे अपना दुकान बंद करके घर चले गए थे।

3 दिन बाद 7 जनवरी की सुबह करीब 10.30 बजे उन्होंने दुकान का शटर उठाया तो फर्श पर पड़ा एक लेटर देखा। उन्होंने लेटर खोलकर पढ़ा तो उनके होश उड़ गए। लेटर में जान से मारने की धमकी दी गई थी।

नजर रखने की लिखी गई है बात लेटर में अज्ञात व्यक्ति द्वारा

दुकान संचालक को जान से मारने की धमकी देने का जिक्र है। वहीं पत्र में दुकान संचालक पर हर पल नजर रखने की बात भी कही गई है। दुकान संचालक ने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की गई। पुलिस मामले की विवेचना में जुट गई है।

दो स्वास्थ्य केन्द्रों को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र

- संवाददाता -
बलरामपुर,11 जनवरी 2025
(घटती-घटना)। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर ईलाज उपलब्ध कराने वाले जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डीपाडीह कला व आयुष्मान आरोग्य मंदिर केवली को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत कुमार सिंह ने बताया कि कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन व मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य सुविधा का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसके तहत जिले के दो स्वास्थ्य केन्द्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र मिला है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र हासिल करने वाले स्वास्थ्य केन्द्रों के चिकित्सक और मेडिकल स्टॉफ को बधाई देते हुए कहा की जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि आगे भी अपनी

उत्कृष्टता बरक़रार रखते हुए मरीजों की सेवा करेंगे और जिले के दूसरे अस्पतालों के लिए नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। डॉ. सिंह ने कहा की सरकार का लक्ष्य सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को गुणवत्ता मानक पर खरा उतरने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणित करने की योजना है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री स्मृति एक्का ने कहा की पूर्व में जिले में 04 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 01 आयुष्मान केंद्र राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्राप्त किये है। अब यह संख्या बढ़कर 07 हो गयी है और अभी 02 आयुष्मान आरोग्य मंदिर का वर्चुअल विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आंकलन हुआ है। उन्होंने बताया की केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने वर्ष 2024 माह दिसम्बर व वर्ष 2025 माह जनवरी में मरीजों के लिए उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण किया था जिसमें माह दिसम्बर 24 में परीक्षण में दो स्वास्थ्य केंद्र जिसमे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डीपाडीहकला व आयुष्मान आरोग्य मंदिर केवली का रिजल्ट प्राप्त हुआ है। जिसमें डीपाडीह कला को 92.80 व केवली को 90.72 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ है। सुश्री स्मृति एक्का ने बताया की राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओ और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है, इनमे उपलब्ध सेवाएं, मरीजों का अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्विस, क्लीनिकल सर्विसेस, इन्फेक्शन कण्ट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल है। इन मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किये जाते हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक निर्माण विभाग (वि/यां) संभाग अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ.ग.
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक - 141/NIT-19/2024-2025/व.ले.लि. दिनांक : 09/01/2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 20/01/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 28/01/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथिः- 29/01/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक
कार्य हेतु :-

निविदा प्रपत्र का मूल्य :- 750.00 रूपये निविदाकारों की श्रेणीः- ई-पंजीयन के अंतर्गत 'द से 'अ' तक तथा कार्य की अवधि दिनांक 30/06/2025 तक वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

एन.आई.टी.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत लागत (रू0 लाख)	अमानत लागत (लाख में)
2	3	4
T0186	सरगुजा जिले में लोक निर्माण विभाग वि/यां. उपसंभाग अम्बिकापुर के दक्षिणी क्षेत्र अंतर्गत शासकीय आवासीय भवनों में विद्युतीकरण का वार्षिक मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	5.00-5000.00-75000.00
T0187	सरगुजा जिले में लोक निर्माण विभागवि/यां. उपसंभाग अम्बिकापुर के दक्षिणी क्षेत्र अंतर्गत शासकीय गैर आवासीय भवनों में विद्युतीकरण का वार्षिक मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	5.00-5000.00-75000.00
T0188	सरगुजा जिले में लोक निर्माण विभागवि/यां. उपसंभाग अम्बिकापुर के उत्तरी क्षेत्र अंतर्गत शासकीय आवासीय भवनों में विद्युतीकरण का वार्षिक मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	5.00-5000.00-75000.00
T0189	सरगुजा जिले में लोक निर्माण विभागवि/यां. उपसंभाग अम्बिकापुर के उत्तरी क्षेत्र अंतर्गत शासकीय गैर आवासीय भवनों में विद्युतीकरण का वार्षिक मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	5.00-5000.00-75000.00
T0190	सरगुजा जिले के अंतर्गत सिविल कोर्ट भवन अम्बिकापुर में FIRE EXTINGUISHER का विद्युतीकरण कार्य। /बजट कार्य	3.69-3694.00-55410.00
T0191	सरगुजा जिले के अंतर्गत जिला ई लाइब्रेरी भवन अम्बिकापुर का विद्युतीकरण कार्य। सिविल जमा कार्य//	4.12-4120.00-61800.00
T0192	सरगुजा जिले के अंतर्गत सिविल कोर्ट सीतापुर में 01 नग एफ टाइप स्टॉफ क्वार्टर का विद्युतीकरण कार्य बजट कार्य।	4.12-4120.00-61560.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www,cg,in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। उनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल,अम्बिकापुर

जी0नं0 -242505250/1

पेड़ों की कटाई जोरों पर

पेड़ कटाई पर अंकुश लगाने वन विभाग हुआ नाकाम

कारवाई के नाम पर खानापूर्ति

- मनोज कुमार -
लखनपुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर वनपरिक्षेत्र में इन दिनों लकड़ी तस्करों और ग्रामीणों के द्वारा बेखौफ होकर पेड़ों की कटाई कर रात के अंधेरे में पिकप मोटरसाइकिल सहित अन्य वाहनों से लड़कियों का परिवहन कर जिले के लकड़ी मिल और निर्माणधिन मकान में खापाया जा रहा है। और मोटी कमाई की जा रही है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण कब्जे के नियत से सैकड़ों पेड़ों की कटाई कर अवैध रूप से वन भूमि पर अतिक्रमण कर रहे है। जिस प्रकार से जंगलों में पेड़ों की कटाई कर अतिक्रमण किया जा रहा कहीं ना कहीं वन विभाग के आला अधिकारियों की लापरवाही नजर आ रही है। सूत्रों की माने तो वनकर्मि स्थानीय ग्रामीणों से पैसे लेकर वन भूमि पर कब्जा दिलाने का खेल कर रहे है। वन विभाग कार्रवाई के नाम पर सिर्फ और सिर्फ खाना पूर्ति कर पी ओ आर की कार्रवाई की जाती है। जबकि वन विभाग के अधिकारियों को चाहिए कि वन भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कराकर वृक्षारोपण करना चाहिए परंतु ठीक इसके उलट कार्य वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा कार्य जा रहा है। बड़े बड़े जंगलों में पेड़ों की कटाई पर अंकुश लगाने में वन विभाग नाकाम नजर आ रही है। लखनपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत कटिंदा सर्कल के आमापानी, बेंदोंपानी, चुराइल घोड़गा, बीड़ा पखना, महुआ भवना, लाल बोदर, रपटा पानी,सागौन प्लांटेशन,घंटा दुगु सहित अन्य वन परीक्षेत्र क् में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और तस्करों द्वारा आधुनिक मशीनों से विशालकाय पेड़ों की कटाई का रात के अंधेरे में वाहनों में लकड़ी की तस्करी कर रहे हैं।साथ ही जंगलों में पेड़ों की कटाई के बाद ग्रामीणों के द्वारा कब्जा भी किया जा रहा है वन भूमि में पेड़ों की कटाई और अतिक्रमण पर अंकुश लगाने वन विभाग नाकाम है। लखनपुर वन परिक्षेत्र में स्थित बड़े-बड़े जंगल आज टूट में तब्दील हो चुके हैं और वन भूमियों पर ग्रामीणों के द्वारा कब्जा कर मकान बना लिया जा रहा है। अब देखने वाली बात होगी कि वन विभाग पेड़ों की कटाई और जंगलों की भूमि पर अतिक्रमण पर किस प्रकार अंकुश लगा पाती है या फिर यह सिलसिला जारी रहेगा। फिलहाल वन विभाग की टीम कोई सार्थक कदम नहीं उठाया पाया है।

रेंजर सहित सर्कल प्रभारी जिले में करते हैं निवास

लखनपुर वन परिक्षेत्राधिकार मेरी लिली लकड़ा सहित क्षेत्रों के सर्किल प्रभारी ब्लॉक मुख्यालय में निवास न करके जिला मुख्यालय में निवास करते हैं। जबकि शासन की ओर से लाखों रुपए खर्च करके अधिकारियों और रोमन कर्मियों के निवास हेतु मकान का बंदोबस्त किया गया है।फिर भी यह ब्लॉक मुख्यालय छोड़ जिला मुख्यालय में निवास करते हैं। अब इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि निचले वनकर्मी फील्ड में कितना कार्य करते होंगे। इसीलिए तो आज बड़े-बड़े जंगल ठूंठ में तब्दील होते जा रहे हैं।

वनरक्षक आवास खंडहर में तब्दील

लखनपुर वन पर क्षेत्र अंतर्गत कटिंदा सर्कल, रेमहला,अर्गोटी सर्कल सहित अन्य स्थानों में वनरक्षक आवास खंडहर में तब्दील होते जा रहे हैं क्योंकि इन आवासों में वन कर्मचारी निवास नहीं करते हैं।

रेंजर ने नहीं उठाया फोन

इस संबंध में लखनपुर वन परीक्षेत्र अधिकारी मेरी लिली लकड़ा से फोन से संपर्क करना चाहा परंतु उनसे संपर्क नहीं हो सका।

पहले शिक्षक राजनीति में आने के बाद जनपद सदस्य जनपद अध्यक्ष और अब जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 10 के प्रबल दावेदार जगत लाल आयाम

» जिला पंचायत सदस्य पद निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 10 से योग्य शिक्षित, वाले होंगे प्रबल दावेदार - हो सकते हैं जगत लाल आयाम

- सोनू कश्यप-
प्रतापपुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन को लेकर क्षेत्र में सरगर्मी तेज हो गई है। जिला पंचायत सदस्य पद से लेकर जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों का चर्चा बनी हुई है। इसी क्रम में जनपद पंचायत प्रतापपुर के क्षेत्र क्रमांक 10 से जिला पंचायत सदस्य पद के चुनाव के लिए पुरे क्षेत्र क्रमांक 10 मे वर्तमान जनपद अध्यक्ष दो बार जनपद सदस्य रह चुके जगत लाल आयाम का नाम सामने आ रहा है। बता दें, शिक्षक के रूप में अपने केरियर की शुरुआत करने वाले जगत लाल आयाम शिक्षक की नौकरी छोड़ राजनीति में सक्रिय है वह लगातार दो बार जनपद सदस्य रह चुके हैं अभी वर्तमान में जनपद अध्यक्ष के पद पर 5 वर्ष तक अपनी सेवा दे चुके हैं क्षेत्र नगर गांव में साफ छवि एवं लोगों के प्रति मिलनसार के साथ लोगों के हर

छोटी-बड़ी समस्याओं पर विचार करना एवं साथ हर संभव समस्या का समाधान करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। विश्वास के कार्यशैली को देखते हुए क्षेत्र क्रमांक 10 के आमजन उनको जिला पंचायत सदस्य क्रमांक 10 से जिला सदस्य पद के लिए प्रबल दावेदार रुप में आम जन उनका नाम ले रहे हैं

5 वर्ष तक रहे जनपद अध्यक्ष

वर्तमान में जनपद पंचायत प्रतापपुर के अध्यक्ष के रूप में अपना 5 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण किया है इस दौरान उन्होंने प्रतापपुर विकासखंड के हर क्षेत्र में लोगों की समस्याओं और उनके त्वरित निदान कर अपने कार्य कुशलता का परिचय दिया है अंग्रेजी विषय में एम. ए. तक की पढ़ाई कर राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है।

दूरस्थ अंचल को नई ऊंचाई तक पहुंचना है लक्ष्य : जगत लाल आयाम

इस संबंध में चर्चा करने पर वर्तमान जनपद अध्यक्ष जगतलाल आयाम ने कहा कि क्षेत्र के लोगों ने मुझे हमेशा प्यार दिया है मैं क्षेत्र के लोगों के प्रति हमेशा त्रणी रहूंगा रमकोला क्षेत्र अभी भी विकास में पिछड़ा हुआ है इस दूरस्थ अंचल को विकास की नई ऊंचाई तक पहुंचाना मेरे जीवन का लक्ष्य

वन भूमि पर मालिकाना हक मिलने से वनवासियों को मिली स्थिरता

- संवाददाता -
कोरबा,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

वनभूमि में काबिज वनवासियों को उनकी जमीन का मालिकाना हक मिलने से अनेक आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों की जिंदगियां बदल रही है। अब ग्रामीण निश्चिंत होकर काबिज जमीन पर खेती कर अपना जीवन यापन कर रहें हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रहे है। कोरबा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सिमकेन्दा के आश्रित ग्राम तीरतडाड़ की सविता बाई को वनाधिकार पत्र मिलने से उनके जीवन में बड़ा बदलाव आया है। हितग्राही ने कहा कि पूर्वजों के काबिज जमीन का स्वामित्व अधिकार मिलने से उनके परिवार के भरण-पोषण की चिंता अब नहीं रह गई है। पीढ़ी दर पीढ़ी उनका परिवार इस जमीन पर कृषि कार्य करते आया है। इसी 0.526 हेक्टेयर भूमि का वन अधिकार पत्र उन्हें प्राप्त हुआ है। सविता कहती है कि रोजगार के अन्य साधन न होने के कारण वे अपने जीवन यापन के लिए मजदूरी एवं खेती पर ही निर्भर है।

लाभार्थी ने बताया कि पहले उन्हें काबिज भूमि से बेदखली का डर रहता था परंतु अब जमीन का मालिकाना हक मिलने से बेदखली का डर नहीं है। अब वे बिना किसी चिंता के उस जमीन पर खेती कर रहे हैं। वनाधिकार पट्टा मिलने के बाद सविता ने अपनी खेती को और बेहतर बनाने की दिशा में काम शुरू किया। अब उन्हें अपनी भूमि पर फसल उगाने का पूरा अधिकार मिल गया है और वे इसकी बेहतर देखभाल भी कर रही हैं। अपनी मेहनत से वह अपने परिवार की मदद कर रही हैं। उनके द्वारा धान के साथ ही मौसमी सब्जियों का उत्पादन भी किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई है। वनाधिकार पट्टा मिलने से सविता का न केवल डर समाप्त हुआ, बल्कि उन्होंने अपनी मेहनत और कड़ी लगन से खुद को और अपने परिवार को एक नई दिशा दी है।

प्रतापपुर-चन्दोरा हाइवे पर अवैध शराब का कारोबार, सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर संकट

- संवाददाता -
प्रतापपुर, 11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर चन्दोरा हाइवे थाना अंतर्गत घाट पेंडारी स्थित चंदोरा हाइवे पर अवैध शराब के कारोबार का गंभीर संकट बन चुका है। यहां के ढाबों में खुलेआम अवैध शराब बेची जा रही है, जिससे सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। कई बार शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालक दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं, जिससे न केवल उनका बल्कि अन्य यात्रियों का जीवन भी जोखिम में पड़ता है।

स्थानीय निवासियों और यात्रियों के अनुसार, यहां अवैध शराब की बिक्री को रोकने में प्रशासन की नाकामी दिख रही है। पहले आबकारी विभाग ने कुछ ढाबों पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के कारोबार में लिप्त संचालकों को गिरफ्तार किया था, लेकिन इसके बावजूद यह कारोबार जारी है। शराब पीकर ट्रक चालक खुद भी दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं और दूसरों को भी शिकार बना लेते हैं, जिससे यह मुद्दा और भी गंभीर हो गया है।

स्थानीय लोग और यात्री चाहते हैं कि प्रशासन अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह से अंकुश लगाए और इस हाइवे पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यह हाइवे न केवल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि प्रदेशों के बीच व्यापार और परिवहन का भी प्रमुख रास्ता है, इसलिए यहां सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संजना एक्का ने पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान किया हासिल

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

डॉ धनंजय पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (वनस्पति विज्ञान), शा. नवीन कन्या महाविद्यालय, सूरजपुर के निर्देशन में बीएससी अन्तिम वर्ष की छात्रा संजना एक्का ने सन्त गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा द्वारा आयोजित और छतीसगढ़ विज्ञान परिषद रायपुर द्वारा प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करायी। प्रकाशित सोवेनियर में संजना का आर्टिकल पब्लिस हुआ है और साथ ही पोस्टर एक्सिबिशन के लिए भी सलेक्ट हुई है। संजना एक्का ने पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि हेतु संजना एक्का को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और नकद राशि से सम्मानित किया गया। इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में टेक्सास विश्वविद्यालय यू एस ए के वैज्ञानिक कीर्ति बर्धन, अबू धाबी के प्रोफेसर प्रेम सिदार, अटल बिहारी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति डी एन वाजपेयी, सन्त गहिरा गुरु विवि के कुलपति डॉ प्रेमप्रकाश सिंह और कुलसचिव डॉ शारदा प्रसाद त्रिपाठी उपस्थित थे। संजना के इस महत्वपूर्ण उपलब्धि हेतु शा. नवीन कन्या महाविद्यालय, सूरजपुर के प्रचार्य बृजलाल साहू एवं समस्त प्राध्यापक गण ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि,सभा आयोजित

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिला मुख्यालय के अग्रेशन चौक में युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि देने के लिए एक भावपूर्ण सभा का आयोजन किया गया। सभा में मोमबत्तियां जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर सर्व आदिवासी युवा प्रभाग, सूरजपुर के जिला अध्यक्ष सोशल एक्टिविस्ट बीपीएस पोया ने कहा कि मुकेश चंद्राकर निर्भीक और जांबाज पत्रकार थे, जिन्होंने जल, जंगल, जमीन और स्थानीय मुद्दों को अपनी पत्रकारिता के माध्यम से उजागर किया। उनके यूट्यूब चैनल बस्तर जंक्शन और अन्य मीडिया में दिए गए योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुकेश चंद्राकर की हत्या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला है। उन्होंने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपील की।

सभा को संबोधित करते हुए जिला सचिव जेम्स कुजूर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अपराध बढ़ते जा रहे हैं और पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या समाज के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने मांग की कि दोषियों पर त्वरित कार्रवाई की जाए, पत्रकार के परिवार को उचित मुआवजा और सुरक्षा प्रदान की जाए।

अन्य वक्ताओं ने भी छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए और दोषियों की संपत्ति कुर्क करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रशासन को अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए।

इस श्रद्धांजलि सभा में अशोक तिर्की, देवसाय आयाम, संतोष पोर्ते, विजय पैकरा, निलेश कुमार, ललित कुमार, यशवंत सिंह, विवेकानंद सिंह, शिव प्रसाद आमों, गौरीशंकर सिंह नेताम, पीयूष साहू और सोहन सिंह मरकाम सहित कई समाजसेवी एवं पत्रकार मौजूद थे।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने मुकेश चंद्राकर की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

श्रीलंका ने आखिर वनडे को 140 रनों से किया अपने नाम

» ख़त्म किया 10 साल का सूखा

ऑकलैंड,11 जनवरी 2025। श्रीलंका की टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले को 140 रनों से अपने नाम करने के साथ सीरीज में अपना सम्मान बचाने में जरूर सफल रही। ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए इस वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में श्रीलंकाई टीम को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला जिसमें उन्होंने 50 ओवर्स में 8 विकेट के नुकसान पर 290 रनों का स्कोर बनाया। श्रीलंका की तरफ से पथुम निसांका ने 66 जबकि कुसल मेंडिस ने 54 रनों की पारी खेली। वहीं 291 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी कीवी टीम लगातार
अंतराल में विकेट गंवाते चली गई जिसमें वह 29.4 ओवर्स में 150 रनों का स्कोर बनाकर सिमट गई।

श्रीलंका ने 10 सालों बाद जीता न्यूजीलैंड में पहला वनडे मैच

न्यूजीलैंड में श्रीलंकाई टीम का लिमिटेड ओवर्स मुकाबलों में काफी अच्छा रिकॉर्ड नहीं है। ऑकलैंड में खेले गए तीसरे वनडे मैच में मिली जीत श्रीलंकाई टीम का 10 सालों के बाद न्यूजीलैंड में किसी वनडे मुकाबले में आई पहली जीत है। इससे पहले साल 2015 में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की संयुक्त मेजबानी में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में जीता था। इसके बाद श्रीलंकाई टीम ने इस दौरे से पहले न्यूजीलैंड का तीन बार दौरा किया था जिसमें वह साल 2019 में तीन वनडे मैच, साल 2016 और 2023 में खेले गए 2-2 वनडे मैचों में से किसी में भी जीत हासिल करने में कामयाब नहीं हो सके थे। श्रीलंकाई टीम की ये जीत भी न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में उनके घर पर लगातार 9 हार के बाद आई है।

असिथा फर्नांडो की गेंदबाजी ने दिलाई श्रीलंका को एकतरफा जीत

ऑकलैंड में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले को लेकर बात की जाए तो 291 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी तो उन्हें असिथा फर्नांडो की कातिलाना गेंदबाजी का सामना करना पड़ा। असिथा ने इस मुकाबले में अपने 7 ओवर्स में सिर्फ 26 रन देने के साथ तीन विकेट हासिल किए। वहीं इसके अलावा महेश तीक्ष्णा और ईशान मलिंगा भी 3-3 विकेट हासिल करने में कामयाब रहे जबकि जयनिथ लियांगे ने एक विकेट अपने नाम किया। न्यूजीलैंड की तरफ से 7 खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी पार करने में कामयाब नहीं हो सके वहीं इसमें से 3 प्लेयर्स तो अपना खाता खोले बगैर ही पवेलियन लौट गए।

यशस्वी जायसवाल के पास कोहली का कीर्तिमान तोड़ने का सुनहरा मौका

टी 20 सीरीज में कर सकते हैं कमाल

नई दिल्ली,11 जनवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। टी20 सीरीज में भारतीय टीम की स्क्वाड में युवा यशस्वी जायसवाल का चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। वह पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में जायसवाल बड़ा कमाल कर सकते हैं।
उन्होंने 23 टी20आई मैचों की 22 पारियों में अभी तक 723 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। अब अगर इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज की शुरुआती चार पारियों में 277 रन बनाने में कामयाब हो जाते हैं, तो वह भारत के लिए टी20आई में सबसे तेज हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। वह ऐसा 26 पारियों में ही कर लेंगे। इसके लिए उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में कमाल का प्रदर्शन करना होगा।

कोहली टी 20 आई में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज

अभी ये कीर्तिमान धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली के नाम है। उन्होंने 27 पारियों में ये मुकाम हासिल किया था। दूसरे नंबर पर केएल राहुल मौजूद हैं। उन्होंने 29 पारियों में 1000 टी20आई पूरे किए थे। टी20आईके मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 31 पारियों में हजार ञ्च20ढ्ढ रन पूरे किए थे। जायसवाल के पास इन बल्लेबाजों को पीछे करने का सुनहरा मौका है।

भारत के लिए टी 20 आई में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाजः

विराट कोहली- 27 पारियां
केएल राहुल- 29 पारियां
सूर्यकुमार यादव- 31 पारियां
रोहित शर्मा- 40 पारियां

भारत के लिए खेल चुके हैं 19 टेस्ट मैच

जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था और टीम के लिए 391 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। जायसवाल के पास वह काबिलियत है कि वह बड़ी पारी खेल सकें और वह चंद गेंदों में ही मैच का रुख बदले में माहिर हैं। उन्होंने अभी तक टीम इंडिया के लिए 19 टेस्ट मैचों में 1798 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं।

बीसीसीआई के आधिकारिक सचिव होंगे देवजीत सैकिया

इन्हें मिली कोषाध्यक्ष की कुर्सी

नई दिल्ली,11 जनवरी 2025। 12 जनवरी मुंबई में होने वाली बीसीसीआई की विशेष आम बैठक में देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को आधिकारिक तौर पर सचिव और कोषाध्यक्ष चुना गया है। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी और भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त अचल कुमार जोती ने मंगलवार को सूची को जब अंतिम रूप दिया तो सैकिया और प्रभतेज रिक्त पदों के लिए मैदान में एकलौते उम्मीदवार थे। ऐसे में इन्हीं दोनों को आधिकारिक तौर पर सचिव और कोषाध्यक्ष की कुर्सी मिलेगी।

महिला हॉकी लीग का आयोजन आज से

» महिला हॉकी लीग के लिए हो जाइए तैयार,

रानी रामपाल ने टूर्नामेंट को लेकर कही ये बात

रांची,11 जनवरी 2025। भारत में महिलाओं के हॉकी को बढ़ावा देने के लिए महिला हॉकी लीग का आयोजन किया जाना है। इस टूर्नामेंट का आयोजन रांची में किया जाएगा। जिसमें कुल चार टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट रांची में 12 से 26 जनवरी तक खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में दिल्ली एसजी पाइपर्स, ओडिशा वॉरियर्स, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स और सूरमा हॉकी क्लब हिस्सा लेंगी। इस टूर्नामेंट को लेकर बात करते हुए भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच ने कहा कि महिला हॉकी इंडिया लीग का खेल पर वही प्रभाव पड़ सकता है जो इंडियन प्रीमियर लीग ने क्रिकेट पर डाला है। रानी का कहना है कि महिला हॉकी इंडिया लीग के जरिए महिला हॉकी को एक बड़ा मंच मिलेगा। जिससे खेल के प्रति जागरूकता और लोकप्रियता में वृद्धि होगी। रानी, जो सूरमा हॉकी क्लब की मेंटर और कोच हैं, ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के मीडिया से बातचीत में कहा कि इस लीग के शुरुआत के लिए हॉकी इंडिया की सराहना की जानी चाहिए, क्योंकि यह शुरू होने में समय जरूर लगा, लेकिन यह महिला हॉकी के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। रानी ने आगे कहा कि हमारी मेंस हॉकी टीम ने क्यों पेरिस में ओलंपिक में कांस्य पदक जीते। इसका श्रेय मेंस हॉकी इंडिया लीग को जाता है, जिसने कई सालों पहले इस दिशा में मजबूत कदम उठाए थे। उनका मानना है कि महिला हॉकी लीग की शुरुआत से आने वाले सालों में और खासकर 2032 और 2036 ओलंपिक में युवा महिला खिलाड़ियों को अपने कौशल को दिखाने का अवसर मिलेगा। यह लीग उन खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन मंच साबित होगी, जो अपने करियर की शुरुआत कर रही हैं और जो भविष्य में इंटरनेशनल लेवल पर भारत का नाम रोशन करना चाहती हैं।

महिला क्रिकेट का दिया उदाहरण

रानी ने महिला क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा कि जब महिला क्रिकेट की शुरुआत हुई थी, तो बहुत कम लोग ही इस खेल के बारे में जानते थे। लेकिन अब आप देख रहे हैं कि यह खेल देश में किस प्रकार लोकप्रिय हो चुका है। उनका मानना है कि महिला हॉकी के लिए वही बदलाव लाएगा और इसके जरिए न सिर्फ खिलाड़ियों को एक मंच मिलेगा, बल्कि देशभर में महिला हॉकी को लेकर एक नई सोच विकसित होगी। रानी के अनुसार, महिला हॉकी के लिए यह लीग ना केवल एक खेल आयोजन है, बल्कि यह एक क्रांति का हिस्सा हो सकता है जो महिला खिलाड़ियों के लिए नए अवसर और मार्ग प्रशस्त करेगा।

अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप ने अपने यूट्यूब चैनल पर अपनी शादी का वीडियो शेयर किया। आलिया ने अपनी शादी के ठीक एक महीने बाद खट्टे-मीठे पलों की वीडियो पोस्ट की है, जिसकी हर तरफ तारीफ हो रही है। उन्नीस मिनट लंबे इस वीडियो में कपल की हल्दी, मेहंदी, कॉकटेल पार्टी, शादी और ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन की झलकियां देखने को मिलेगी। आलिया की शादी का जश्न बड़े ठाट-बाट से मनाया गया। वीडियो की शुरुआत आलिया की हल्दी सेरेमनी से होती है जो उनके घर की छत पर हुआ, जिसमें उनके करीबी परिवार और दोस्त शामिल हुए थे। वीडियो में भावुक अनुराग कश्यप अपनी बेटी को गले लगाते हुए रोते दिखाई देते हैं।

बेटी की विदाई में फूट-फूटकर रोए मशहूर डायरेक्टर

आलिया-शेन का वेडिंग एल्बम

इसके बाद वीडियो में आलिया घर पर उनके परिवार और दोस्तों के साथ मेहंदी का जश्न मानते दिखाई दी। आलिया ने अपनी मेहंदी की डिजाइन में अपने प्यारे पेट डॉग की तस्वीर बनवाई थीं। वहीं कॉकटेल पार्टी में कल्कि कोचलिन, आलिया की मां आरती बजाज और इम्तियाज अली भी दिखाई दिए जो कपल के साथ डांस कर रहे थे। आखिरकार वह दिन आ ही गया, जब कपल ने जिंदगी भर एक -दूसरे के साथ रहने की कसम खाईं। इस दौरान अनुराग कश्यप के दामाद शेन ग्रेगोइर अपनी पत्नी आलिया को मडंप पर देख इमोनशल दिखाई दिए।

बेटी की विदाई में भावुक अनुराग कश्यप

वीडियो में भावुक अनुराग कश्यप को रोते हुए कई मौकों पर अपनी बेटी को गले लगाते हुए दिखाया गया। वह रोते हुए और अपनी एक्स पत्नी आरती बजाज के कंधों पर सिर टिकाते हुए भी देखे गए। आलिया कश्यप-शेन ग्रेगोइर के रिसेप्शन में मनोज बाजपेयी, बॉबी देओल, नागा चैतन्य और नवाजुद्दीन सिद्दीकी समेत कई हस्तियां शामिल हुई थीं। आलिया कश्यप, अनुराग कश्यप की पहली पत्नी आरती बजाज की बेटी हैं। वह शेन को चार साल से डेट कर रही थीं, उसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया। जाने-माने डायरेक्टर अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप ने 2023 में मुंबई में ही सगाई भी की थी। फिर 2024 के दिसंबर महीने में शादी की थी।

पाकिस्तानी टीम का ऐलान

» पिछली टेस्ट सीरीज से स्क्वॉयड में 7 बदलाव

» इस प्लेयर की एक साल बाद वापसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच जनवरी में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। दोनों ही टीमें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बाहर हो चुकी हैं और प्वाइंट्स टेबल में आखिरी पायदान पर हैं। ऐसे में ये टेस्ट सीरीज सिर्फ एक औपचारिकता मात्र है। अब इस टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टेस्ट स्क्वाड का ऐलान किया है। इससे पहले पाकिस्तानी टीम ने साउथ अफ्रीका का दौरा किया था, जहां उसे 0-2 से सीरीज गंवानी पड़ी थी। इसी वजह से वेस्टइंडीज के खिलाफ स्क्वाड के लिए 7 बदलाव हुए हैं।

चोटिल होने की वजह से सैम अयूब को नहीं मिला मौका

साउथ अफ्रीका दौरे पर जो पाकिस्तानी टीम गई थी, उसके सिर्फ 8 प्लेयर्स को ही बरकरार रखा गया है। इनमें शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उप-कप्तान), बाबर आजम, कामरान गुलाम, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद रिजवान, नोमान अली और सलमान अली आगा शामिल हैं। चोटिल होने की वजह से सैम अयूब को नहीं रखा गया है। पीसीबी चाहता है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएं। खराब फॉर्म से जूझ रहे अब्दुला शफीक को भी मौका नहीं मिला है।

इमाम उल हक की हुई वापसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए स्पिन विभाग को मजबूत करने के लिए साजिद खान और अबरार अहमद की वापसी हुई है। इन दोनों ही प्लेयर्स ने घरेलू धरती पर इंग्लैंड के खिलाफ कमाल का प्रदर्शन किया था और अपने दम पर पाकिस्तानी टीम को टेस्ट सीरीज जिताई थी। ओपनर बल्लेबाज इमामल उल हक की वापसी हुई है। उन्होंने पाकिस्तानी टीम के लिए आखिरी टेस्ट मैच साल 2023 में खेला था। लंबे समय बाद उनके प्लेइंग इलेवन में भी जगह बनाने की संभावना है। उन्होंने पाकिस्तानी टीम के लिए 24 टेस्ट मैचों में 1568 रन बनाए हैं।

17 जनवरी से होगा पहला टेस्ट मुकाबला

दूसरी तरफ आमिर जमाल, मोहम्मद अब्बास, मीर हमजा और नसीम शाह की तेज गेंदबाजी चौकड़ी को रेस्ट दिया गया है। उनकी जगह मोहम्मद अली को वापस बुलाया गया है। वहीं खुर्रम शहजाद को टीम में जगह मिली है। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट 17-21 जनवरी और दूसरा टेस्ट 25-29 जनवरी तक खेला जाएगा। दोनों टेस्ट मुल्तान के मैदान खेलेंगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तानी टीमः

शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उप-कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, इमाम-उल-हक, कामरान गुलाम, काशिफ अली, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अली, मोहम्मद हुरैरा, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर/बल्लेबाज), नोमान अली, रोहेल नज़ीर (विकेटकीपर/बल्लेबाज), साजिद खान, और सलमान अली आगा।

फिर साउथ के सामने फुस्स हुआ बॉलीवुड

एक साथ रिलीज हुईं फिल्मों ने पहले दिन की इतनी कमाई, 48 करोड़ का रहा अंतर

बीते रोज धमाकेदार एक्शन से भरी 2 बड़ी फिल्में एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई हैं। ये दोनों फिल्में जिनमें से एक साउथ और एक बॉलीवुड की थी, एक्शन से भरी रहीं। साउथ की फिल्म %गेम चेंजर और बॉलीवुड की फिल्म फतेह बॉक्स ऑफिस पर टकराई हैं। लेकिन इन दोनों फिल्मों की टक्कर में एक बार फिर साउथ के सामने बॉलीवुड फुस्स हो गया है। इन दोनों फिल्मों में कमाई के मामले में साउथ की गेम चेंजर ने बाजी मार ली है और पहले दिन 50 करोड़ रुपयों का कलेक्शन किया है। वहीं सोनू सूद की बॉलीवुड फिल्म %फतेह% की पहले दिन की कमाई महज 2.4 करोड़ रुपयों पर सिमट गई है। इन दोनों फिल्मों में से गेम चेंजर ने बाजी मार ली है और दोनों की पहले दिन की कमाई में 48 करोड़ रुपयों का अंतर रहा है।
सोनू सूद लंबे समय बाद पर्दे पर लौटे हैं और अपनी फिल्म फतेह के साथ दर्शकों के बीच आए हैं। सोनू सूद ने इस फिल्म में लीड रोल के साथ इसे डायरेक्ट भी किया है। इतना ही नहीं इस फिल्म की कहानी भी सोनू सूद ने ही लिखी है। फिल्म रिलीज हुई और सोनू सूद के धमाकेदार एक्शन की भी जमकर तारीफ हुई। हालांकि फिल्म की कमाई कुछ अलग ही कहानी कह रही है। सेकनिक्ल के मुताबिक फतेह ने पहले दिन महज 2.45 करोड़ रुपयों की ही ओपनिंग कर पाई है। अब देखना होगा कि ये फिल्म इस वीकेंड पर कितना पैसा कूट पाती है। फतेह में सोनू सूद ने अपनी धमाकेदार बॉडी और जबरिया एक्शन से फैन्स का दिल जीता है। अब देखना होगा कि सोनू सूद बतौर डायरेक्टर लोगों पर कितनी छाप छोड़ पाते हैं। साथ ही सिनेमाघरों को भी दर्शकों से भर पाते हैं या नहीं।
भारत में इन दिनों बॉलीवुड पर साउथ सिनेमा भारी पड़ रहा है। फिर चाहे मास एंटरटेनिंग फिल्म हो या कहानी का कोई मास्टरपीस इन दोनों में ही साउथ ने बॉलीवुड की हवा निकाल दी है। बीते साल कमाई के मामले में भी साउथ का दबदबा रहा और बेहतरीन फिल्मों में भी बॉलीवुड साउथ से काफी पीछे रहा है। अब इस साल की शुरुआत में साउथ सुपरस्टार रामचरण तेजा की फिल्म %गेम चेंजर% की फतेह से टक्कर हुई है। इस बॉक्स ऑफिस भिड़ंत में गेम चेंजर ने बाजी मार ली है। सेकनिल्क के मुताबिक इस फिल्म ने पहले दिन 51.25 करोड़ रुपयों की ओपनिंग की है। हालांकि इस फिल्म का बजट भी काफी बड़ा है। अब देखना होगा कि ये फिल्म कमाई के मामले में कितना असर छोड़ पाती है। हालांकि इस फिल्म का रिव्यू काफी कमजोर आया है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का 15 जनवरी को छत्तीसगढ़ प्रवास पर

बिलासपुर,11 जनवरी 2025(ए)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 15 जनवरी को छत्तीसगढ़ आ रहे है। वे बिलासपुर में स्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह समारोह सत्र 2022-23 और 2023-24 के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ के आगमन को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। दीक्षांत समारोह में कुल 340 मेधावी छात्रों को विभिन्न श्रेणियों के पदक दिए जाएंगे। इनमें 170 स्वर्ण पदक, 148 विश्वविद्यालय पदक, 18 दानदाता पदक और 2 विशेष पदक शामिल हैं। कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो गई है।

8 मंजिला इमारत की छत गिरी

- मलबे में कई मजदूरों के दबने की आशंका, 2 की मौत
- छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हादसा
- वीआईपी रोड में निर्माणधान इमारत गिरी
- मौके पर प्रशासन की टीम, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

रायपुर,11 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया है। राजधानी के वीआईपी रोड पर निर्माणाधीन एक 8 मंजिला इमारत की छत गिर गई। हादसे में कई मजदूरों के दबे होने की बात बताई जा रही है। मलबे में दबे कुछ मजदूरों का रेस्क्यू किया गया है। उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद है। स्थानीय लोगों के अनुसार, छत के मलबे में कई मजदूर दब गई है।

ढलाई के दौरान गिरी छत

मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक छत ढलाई का काम चल रहा था। इसी दौरान छत का एक हिस्सा नीच गिर गया। छत की ढलाई के लिए लगाई गई सेंटरिंग और लोहे की रॉड भी नीचे गिरी है। बताया जा रहा है कि कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में लगी हुई है।

दो की मौत 9 घायल

कलेक्टर गौरव सिंह ने दो मजदूर के मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई है जबकि 9 लोगो घायल हैं। मृतक मजदूर की पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि इस इमारत में दूसरे राज्य के मजदूर भी काम कर रहे थे। मामले की जानकारी देते हुए एसएसपी डॉ लाल उम्मेद सिंह ने बताया कि यह इमारत अविनाश ग्रुप की थी। इमारत निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का ध्यान दिया गया था या नहीं इन सभी पहलूओं की जांच होगी।

घायल अस्पताल में भर्ती

हादसे की जानकारी मिलते ही रायपुर कलेक्टर गौरव कुमार सिंह भी मौके पर पहुंच गए हैं। कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने बताया कि सभी घायलों को इलाद के लिए कौशल्या विहार के वीवाई हॉस्पिटल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि कुछ मजदूरों को ज्यादा चोट आई हैं। पुलिस और प्रशासन की टीम बचाव कार्य में जुटी है। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। वहीं, बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद हैं।

सीजीपीएससी घोटाले में टामन सोनवानी का भतीजा गिरफ्तार

सीजीपीएससी घोटाले में सीबीआई ने की कार्रवाई

रायपुर,11जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी मामले में साय सरकार की लगातार कार्रवाई जारी है। इस मामले में अब सीबीआई ने सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के भतीजे नितेश सोनवानी और पूर्व डिप्टी एग्जाम कंट्रोलर ललित गनवीर को गिरफ्तार किया है। लंच के बाद सीबीआई दोनों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर ले सकती है.।

बता दें कि डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी समेत कई पदों के लिए साल 2020 से 2022 के दौरान परीक्षा/साक्षात्कार में टामन सोनवानी के रिश्तेदार समेत कुछ व्हीआईपी लोगों के करीबी रिश्तेदारों के चयन पर सवाल उठे थे। इन्हीं आरोपों के आधार पर सीबीआई ने मामला दर्ज किया था. इस केस की जांच जारी है।इस मामले में सीबीआई सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी और बजरंग पावर के डायरेक्टर श्रवण कुमार गोयल को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

अपने समाज के कब्रिस्तान में करें अंतिम संस्कार

बिलासपुर,11 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक ईसाई व्यक्ति की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अंतिम संस्कार अपने समाज के कब्रिस्तान में ही करें। याचिकाकर्ता के पिता की मृत्यु 7 जनवरी को हुई थी, जिसपर गांव के आम कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार की अनुमति और पुलिस जांच की मांग की गई। ग्रामीणों ने इसका पुरजोर विरोध किया और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे डाली।

हाईकोर्ट ने गांव में किसी भी अप्रिय घटना की आशंका जाहिर करते हुए याचिका खारिज की और कहा कि- इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि ईसाई

समुदाय का कब्रिस्तान आस-पास के क्षेत्र में उपलब्ध है, याचिकाकर्ता द्वारा इस रिट याचिका में मांगी गई राहत देना उचित नहीं होगा, जिससे बड़े पैमाने पर जनता में अशांति और असामंजस्य पैदा हो सकता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)